सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

'यु-विचार

"संबंध" एक ऐसा पेड़ है जो "प्रेम" से झुक जाता है,
"स्नेह" से "पनप" जाता है
और "शब्द" से "टूट" जाता है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-67 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 28 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

भक्ति, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ इंद्रजीत सिंह छोटू की सक्रियता जारी

महिला सशक्तिकरण से लेकर धार्मिक आयोजनों तक, हर मंच पर निभा रहे अहम भूमिका

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शहर में सामाजिक, धार्मिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों के बीच इंद्रजीत सिंह छोटू की सक्रियता लगातार देखने को मिल रही है। विभिन्न आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से उन्होंने जहां एक ओर आस्था से जुड़ाव दिखाया, वहीं समाजसेवा और महिला सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी।

कोहका स्थित सतनाम भवन में सतनामी महिला समाज द्वारा आयोजित सिलाई-कढ़ाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्होंने माताओं-बहनों से सौजन्य मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इस अवसर पर महिला समिति द्वारा विभिन्न आवश्यकताओं को लेकर सहायता का अनुरोध किया गया, जिस पर इंद्रजीत सिंह छोटू ने यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इसके बाद नेहरू चौक, कैंप-1 भिलाई स्थित माँ काली मंदिर में माता रानी के दर्शन कर जवारा विसर्जन में शामिल हुए और क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

धार्मिक सौहार्द का अद्भुत उदाहरण उस समय देखने को मिला जब गुरुद्वारा बाबा श्री दीप सिंह शहीदां में अरदास के साथ श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। सिख और हिन्दू समाज के संयुक्त आयोजन ने भिलाई की ‘मिनी इंडिया’ की पहचान को और मजबूत किया। इस अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव समिति सुपेला के दिलीप केसरवानी एवं उनकी टीम की भूमिका सराहनीय रही इसी क्रम में खुर्सीपार स्थित श्री राम मंदिर में राम नवमी महोत्सव में शामिल होकर पूजा-अर्चना की और महाभंडारे में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया।

अन्नपूर्णा मार्केट, जीई रोड, कैंप-1 भिलाई स्थित माता शीतला मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की और महाभोग भंडारे में सहभागिता निभाई। साथ ही वृंदा नगर वार्ड-29 में आयोजित श्रीराम नवमी महोत्सव में शामिल होकर समाजजनों को शुभकामनाएं दीं।

इसके अलावा जुनवानी स्थित शीतला माता मंदिर में माता शीतला के दर्शन कर उन्होंने सभी के मंगलमय जीवन की कामना की। लगातार विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से इंद्रजीत सिंह छोटू न केवल आस्था का संदेश दे रहे हैं, बल्कि समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं। उनकी यह सक्रियता भिलाई में सामाजिक एकता और सद्भाव को और मजबूत कर रही है।

नशे की गिरफ्त से बेटे को दिलाई नई जिंदगी

कोहका क्षेत्र में मानव सेवा की मिसाल पेश करते हुए सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू ने एक पीड़ित परिवार की मदद कर उसे नई उम्मीद दी। क्षेत्र की एक माता ने समिति के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर बताया कि उनका बेटा शराब की लत का शिकार है और नशे की हालत में घर में रोज विवाद और गाली-गलौज करता है।

मामले की जानकारी मिलते ही इंद्रजीत सिंह छोटू ने तुरंत संज्ञान लेते हुए अपनी टीम को मौके पर भेजा और युवक को कल्याणी नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया। लगातार उपचार और निगरानी के बाद एक माह पूर्ण होने पर युवक की स्थिति में सुधार देखने को मिला। इस दौरान उपचार कार्य में सहयोग कर रहे केंद्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इंद्रजीत सिंह छोटू ने पीड़ित माता के हाथों 12,000 रुपये का चेक प्रदान किया, ताकि उनके बेटे का इलाज बिना बाधा जारी रह सके। इस पहल से न केवल एक परिवार को राहत मिली, बल्कि समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता का भी सकारात्मक संदेश गया।

इसी क्रम में उन्होंने शीतला माता मंदिर में माता शीतला के दर्शन कर क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की। वहीं प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित 41वें श्रीरामनवमी महोत्सव में शामिल होकर भक्ति और आस्था से ओतप्रोत कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके साथ ही कालीबाड़ी हाउसिंग बोर्ड, भिलाई स्थित कालीबाड़ी मंदिर में माता रानी के दर्शन कर महाभोग भंडारे में श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरण किया और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। समाजसेवा, नशामुक्ति और धार्मिक आस्था के संगम के रूप में इंद्रजीत सिंह छोटू की यह पहल क्षेत्र में प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी है।

विशेष टिप्पणी

होर्मुज का संकट—वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराता खतरा और भारत की चुनौती

आलोक तिवारी

मध्य पूर्व में स्थित Strait of Hormuz आज विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है। यह संकरा समुद्री मार्ग केवल भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की धुरी है। दुनिया का लगभग एक-चौथाई से अधिक कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। ऐसे में यहां उत्पन्न हुआ कोई भी तनाव सीधे तौर पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, व्यापार और आम जनजीवन को प्रभावित करता है।

वर्तमान परिदृश्य में ईरान द्वारा इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अपनाया गया सख्त रुख अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। सीमित देशों के जहाजों को अनुमति देना, पारगमन के लिए शर्तें तय करना और शुल्क वसूली की खबरें यह संकेत देती हैं कि ईरान इस मार्ग को रणनीतिक दबाव के उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। दूसरी ओर United States इस जलमार्ग को बिना किसी शर्त के खुला रखने के पक्ष में है और उसने स्पष्ट कर दिया है कि यदि स्थिति नहीं सुधरी तो सैन्य विकल्प से भी परहेज नहीं किया जाएगा। इस टकराव ने वैश्विक स्तर पर अस्थिरता की आशंका को और गहरा कर दिया है।

इस संकट का सबसे तात्कालिक प्रभाव तेल की कीमतों पर पड़ना तय है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में आवागमन बाधित होता है, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। इसके परिणामस्वरूप परिवहन लागत बढ़ेगी, जिससे खाद्य वस्तुओं से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों तक हर चीज महंगी हो जाएगी। महंगाई का यह दबाव केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विकसित अर्थव्यवस्थाएं भी इससे अछूती नहीं रहेंगी। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, शेयर बाजार में गिरावट और व्यापारिक आपूर्ति श्रृंखला में बाधा जैसी स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं।

भारत जैसे देश के लिए यह संकट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है और इस आयात का प्रमुख मार्ग यही जलडमरूमध्य है। यदि आपूर्ति बाधित होती है, तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, गैस आपूर्ति पर दबाव और औद्योगिक उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इससे आर्थिक विकास की रफ्तार धीमी पड़ने का खतरा भी उत्पन्न हो सकता है।

हालांकि भारत ने इस स्थिति से निपटने के लिए संतुलित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई है। एक ओर उसने रूस जैसे वैकल्पिक स्रोतों से तेल आयात बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर रणनीतिक भंडार को मजबूत किया है। इसके अतिरिक्त भारत कूटनीतिक स्तर पर भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है, ताकि तनाव को कम किया जा सके और सभी पक्षों के बीच संवाद बना रहे। यह संतुलन भारत की विदेश नीति की परिपक्वता को दर्शाता है।

यदि यह तनाव सैन्य संघर्ष में बदलता है, तो इसके परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकते हैं। क्र११' जैसे देशों की संभावित भागीदारी और क्षेत्रीय गुटों की सक्रियता पूरे मध्य पूर्व को युद्ध की आग में झोंक सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संकट गहराएगा, बल्कि मानवीय संकट, शरणार्थियों की समस्या और वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरे उत्पन्न होंगे।

ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यक है संयम और विवेक। आम नागरिकों को अफवाहों से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करना चाहिए। अनावश्यक भय या जमाखोरी की प्रवृत्ति स्थिति को और बिगाड़ सकती है। सरकारों के लिए भी यह जरूरी है कि वे पारदर्शिता बनाए रखें और समय-समय पर स्थिति की स्पष्ट जानकारी जनता तक पहुंचाएं।

होर्मुज जलडमरूमध्य का वर्तमान संकट केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन की परीक्षा है। यह स्थिति बताती है कि आज की दुनिया में ऊर्जा संसाधन किस तरह भू-राजनीतिक शक्ति का माध्यम बन चुके हैं। भारत के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी—जहां एक ओर उसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय मंच पर शांति और संतुलन की भूमिका निभानी है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि कूटनीति इस संकट को टालने में सफल होती है या दुनिया एक बड़े टकराव की ओर बढ़ती है।

भिलाई निगम में बड़ा प्रशासनिक भूचाल

धारा 54 के तहत आयुक्त को हटाने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिका निगम भिलाई में बजट सामान्य सभा के बाद अब प्रशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया तेज हो गई है। निगम सभापति गिरवर बंटी साहू ने 27 मार्च को कलेक्टर दुर्ग को औपचारिक ज्ञापन सौंपते हुए आयुक्त राजीव कुमार पांडे को पद से हटाने की मांग की है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 54 (2) के तहत की गई है।

सामान्य सभा के संकल्प के बाद बढ़ी कार्रवाई

25 मार्च को आयोजित बजट सामान्य सभा में पार्षदों ने आयुक्त की कार्यप्रणाली और वित्तीय निर्णयों पर गंभीर आपत्तियां दर्ज की थीं। इसी दौरान सत्ता और विपक्ष दोनों ने एकजुट होकर आयुक्त के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुपालन में अब कलेक्टर को यह ज्ञापन सौंपा गया है।

ज्ञापन में लगाए गए प्रमुख आरोप

सभापति द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में आयुक्त पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

वित्तीय अनियमितता: विभिन्न मदों की राशि को बिना सक्षम स्वीकृति अन्य मदों में खर्च करने का आरोप, जिसे वित्तीय अनुशासन का उल्लंघन बताया गया।

नियम विरुद्ध निविदाएं: कई टेंडर बिना वैधानिक प्रक्रिया और अनुमति के जारी किए जाने का मामला उठाया गया।

संजय नगर तालाब भूमि मामला: बिना सामान्य सभा या राज्य शासन की अनुमति के ई-निविदा आमंत्रित करने का आरोप।

नीलामी राशि का उपयोग: भूखंडों की नीलामी से प्राप्त करोड़ों रुपये को शासन के निर्देशों के विपरीत ठेकेदारों को भुगतान करने की बात कही गई।

पार्षदों की अनदेखी: पूर्व के निर्णयों की अवहेलना और आवश्यक जानकारी नहीं देने का आरोप भी दर्ज किया गया।

धारा 54 बना कार्रवाई का आधार

छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 54 (2) के तहत यदि निगम के तीन-चौथाई निर्वाचित पार्षद आयुक्त को हटाने के पक्ष में प्रस्ताव पारित करते हैं, तो शासन को कार्रवाई करनी होती है। इसी प्रावधान का हवाला देते हुए सदन में प्रस्ताव लाया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

अब कलेक्टर और शासन के फैसले पर नजर

ज्ञापन के माध्यम से कलेक्टर दुर्ग से अनुरोध किया गया है कि सदन की भावनाओं का सम्मान करते हुए आयुक्त को तत्काल हटाने/स्थानांतरित करने की कार्रवाई की जाए। अब निगाहें जिला प्रशासन और राज्य शासन पर टिक गई हैं कि इस मामले में आगे क्या निर्णय लिया जाता है। भिलाई नगर निगम में बजट के साथ शुरू हुआ विवाद अब सीधे प्रशासनिक कार्रवाई के मोड़ पर पहुंच गया है। धारा 54 के तहत उठाया गया यह कदम आने वाले दिनों में निगम की कार्यप्रणाली और नेतृत्व दोनों पर बड़ा असर डाल सकता है।

सत्ता-विपक्ष एकजुट, बढ़ा दबाव

इस पूरे घटनाक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने एक स्वर में आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोला। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर पार्षदों का यह एकजुट निर्णय प्रशासनिक हलकों में बड़ा संदेश माना जा रहा है।

सभापति ने प्रक्रिया का किया पालन

महापौर नीरज पाल ने नई दृष्टिबिंदु से चर्चा करते हुए कहा कि सभापति ने नगर निगम अधिनियम के तहत सभी प्रस्ताव और सामान्य सभा की कार्यवाही से प्रशासन को अवगत कराया है। आगे की कार्यवाही राज्य शासन को करना है। महापौर ने उम्मीद जताई कि पार्षदों की भावनाओं का ध्यान शासन रखेगा।

भिलाई में निस्तारी तालाबों में पानी भरने की तैयारी, सफाई युद्ध स्तर पर

भिलाई। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपसंभाग दुर्ग द्वारा जारी आदेश के तहत मार्च-अप्रैल माह में निस्तारी तालाबों में पानी भरने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के सभी निस्तारी तालाबों में ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए यथासंभव पानी भरने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने कहा है कि तालाबों में पानी भरने से पहले उनकी समुचित सफाई कराना आवश्यक है। इसके लिए संबंधित जोनों में विशेष अभियान चलाकर तालाबों की गाद निकासीए कचरा साफ करने एवं जलभराव के मार्ग को सुचारू बनाने का कार्य किया जाएगा।

आयुक्त ने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन एवं पशुओं के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। इसलिए समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि तालाबों में पर्याप्त जल संग्रहण हो सके। नगर निगम ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे इस कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करेंए जिससे ग्रीष्मकाल में जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो।

2.57 करोड़ के बाढ़ राहत घोटाले में पूर्व तहसीलदार अमिता सिंह तोमर गिरफ्तार

विशेष संवाददाता / श्योपुर-ग्वालियर

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में वर्ष 2021 की बाढ़ राहत राशि में करोड़ों के घोटाले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तत्कालीन तहसीलदार अमिता सिंह तोमर को 26 मार्च को ग्वालियर से गिरफ्तार कर लिया है। उन पर करीब 2.57 करोड़ रुपए की राहत राशि में गड़बड़ी करने का गंभीर आरोप है।

जानकारी के अनुसार, अमिता सिंह तोमर वर्ष 2021 में श्योपुर जिले की बड़ौदा तहसील में पदस्थ थीं। आरोप है कि उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के लिए स्वीकृत मुआवजा राशि को अपात्र व्यक्तियों और अपने रिश्तेदारों के 127 फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। इस पूरे मामले का खुलासा प्रशासनिक ऑडिट के दौरान हुआ, जिसमें भारी वित्तीय अनियमितता सामने आई।

2023 में दर्ज हुआ था मामला

जांच के आधार पर वर्ष 2023 में बड़ौदा थाना पुलिस ने क्राइम नंबर 439/2023 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। इस मामले में 25 पटवारियों सहित 100 से अधिक अन्य लोगों को भी आरोपी बनाया गया है।

जमानत खारिज, फिर गिरफ्तारी

अमिता सिंह तोमर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पहले हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन 17 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद पुलिस ने ग्वालियर स्थित उनके निवास से उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अपराध

केबीसी विजेता रही अधिकारी पर फर्जी खातों में राशि ट्रांसफर करने का आरोप, सुप्रीम कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद कार्रवाई

न्यायालय में पेशी के बाद जेल भेजी गई

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को श्योपुर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका की गहन जांच कर रही है।

केबीसी से सुर्खियों में आई थीं

गौरतलब है कि अमिता सिंह तोमर वर्ष 2011 में लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में 50 लाख रुपए जीतकर चर्चा में आई थीं। अब उन्हीं पर करोड़ों के घोटाले के आरोप लगने से मामला और अधिक चर्चित हो गया है।

जांच एजेंसियां सक्रिय

प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस घोटाले में शामिल सभी लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि राहत राशि में गड़बड़ी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ले रहे हैं बड़ी बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री साय कमिश्नर, आईजी और जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कर रहे हैं बड़ी बैठक। पेट्रोलियम पदार्थों और गैस सिलेंडरों की उपलब्धता पर ले रहे हैं जानकारी। पेट्रोलियम पदार्थों और गैस की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों पर न दें ध्यान। परिस्थिति का फायदा लेकर आवश्यक वस्तु की कालाबाजारी करने वालों पर हो कड़ी कर्रवाई।

बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस, कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार सहित आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल के पेट्रोल-डीजल, और गैस डिवीजन के अधिकारी मौजूद हैं।

मंत्री यादव ने प्रदेशवासियों को दी रामनवमी की शुभकामनाएं, महाअष्टमी पर पहुंचे देवी मंदिर

खीर पूड़ी और खिचड़ी के भोग भंडारा में हाथ भी बटाएं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

चैत्र नवरात्रि के अष्टमी पर शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शहर के विभिन्न देवी मंदिर पहुँचे और माता के दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना किये। इस दौरान खीर पूड़ी और खिचड़ी के भोग भंडारा में हाथ भी बटाये। मंत्री श्री यादव ने कहा की समस्त देवी शक्ति का स्वरुप होती है। नौ दिन हम सभी ने माता की भक्ति की है, उसका आशीर्वाद मिलेगा।

अष्टमी पर केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव परिवार सहित चंडी मंदिर और बैगापारा स्थित शीतला मंदिर पहुँचे देवी दर्शन कर आशीर्वाद लिए और प्रदेशवासियो की उन्नति प्रगति के लिए कामना किये। मंदिर में पूजा अचर्ना पश्चात ज्योत जंवारा के भी दर्शन किये। इस दौरान मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का अभिवादन कर धर्म आस्था के महापर्व नवरात्रि की शुभकामनायें दिए।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने रामनवमी पर्व के अवसर पर दुगर्वासियों सहित प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शो पर चल कर प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। प्रभु राम आदर्श के प्रतीक हैं और उनके आदर्शों पर चलने से श्रेष्ठ विचारों का निर्माण होता है। भगवान राम के विचारों को आत्मसात कर मनुष्य अपना सर्वांगीण विकास कर सकता है। राम शब्द नहीं बल्कि मनुष्य जीवन का

भाव है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम जी द्वारा स्थापित जीवन मूल्य आज भी प्रासंगिक है।

रामनवमी पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को जहां समृद्ध करता है वहीं एकता को भी मजबूत करता है। कहा कि हम सभी को रामनवमी पर्व श्रीराम के गौरवशाली आदर्शों के अनुरूप शांति और सद्भावना के वातावरण में मनाना चाहिए।

खास खबर

जनपद अध्यक्ष कीर्ति ने देवी मंदिरों व कार्यक्रमों में पहुंचकर लिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई। चैत्र नवरात्रि के पावन अष्टमी पर्व पर जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न शीतला माता मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अचर्ना की और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान उन्होंने बटँग, नारधी, अमलीडीह, खम्हरिया, कुरूदडीह सहित कई ग्रामों में आयोजित जंवारा कार्यक्रमों में भाग लेकर श्रद्धालुओं से मुलाकात की। ग्राम कुरूदडीह स्थित शीतला माता मंदिर में शीतला समिति द्वारा आयोजित कन्या भोज कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने नौ कन्याओं को अपने हाथों से भोजन परोसा और आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर प्रांगण में ज्योति जंवारा के दर्शन करने के बाद उन्होंने क्षेत्र के सभी परिवारों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-शांति और समृद्धि के लिए माता रानी से प्रार्थना की। इस अवसर पर कीर्ति नायक ने कहा कि नवरात्रि का पर्व आस्था, श्रद्धा और सेवा का प्रतीक है, जो हमें समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने क्षेत्र के निरंतर विकास और जनकल्याण के लिए माँ दुर्गा से आशीर्वाद भी मांगा। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

विधायक चंद्राकर ने क्षेत्रवासियों को दी रामनवमी की बधाई

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक ललित चंद्राकर ने श्रीराम जन्मोत्सव—रामनवमी के पावन पर्व पर समस्त क्षेत्रवासियों, श्रद्धालुओं एवं रामभक्तों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन हमें मर्यादा, सत्य, करुणा और कर्तव्यनिष्ठा की शाश्वत प्रेरणा देता है। रामनवमी केवल उत्सव नहीं, संस्कार और सेवा का पर्व है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर हम अपने गाँव-गली-मोहल्लों में समरसता, अनुशासन और विकास की राह को और सुदृढ़ कर सकते हैं। मैं समस्त माताओं-बहनों, बुर्जुगों, युवा साथियों और बच्चों को रामनवमी की मंगलकामनाएँ देता हूँ कि प्रभु श्रीराम की कृपा से हमारा दुर्ग ग्रामीण स्वस्थ, समृद्ध और सुरक्षित रहे।

महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव : प्रभात फेरी व अहिंसा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

महोत्सव में महिला और युवा वर्ग में दिखा उत्साह का माहौल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही शहर में धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजनों की श्रृंखला शुरू हो गई है। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में आयोजित नवकार महामंत्र जाप एवं सामायिक साधना का कार्यक्रम भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा के बीच संपन्न हुआ। इस आयोजन में जैन समाज के सभी वर्गों और संप्रदायों के लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। विशेष रूप से महिला एवं युवा वर्ग में उत्साह देखते ही बन रहा था।

मालवीय नगर क्षेत्र में आयोजित प्रभात फेरी एवं अहिंसा यात्रा में भी सकल जैन समाज की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। भगवान महावीर के जयकारों और भक्ति गीतों के साथ निकली इस यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। महिलाएं और बालिकाएं जैन ध्वज के साथ यात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं।

दीक्षार्थी सुव्रत गोलक्षा का अभिनंदन

महोत्सव के अंतर्गत दादाबाड़ी उपाश्रय, मालवीय नगर में दीक्षार्थी सुव्रत गोलक्षा का अभिनंदन किया गया। संयमी साधक सुव्रत ने अपने उद्बोधन में संयमित जीवन के आनंद और महत्व को सरल भाषा में समझाया। वहीं उनके पिता आशीष गोलक्षा ने जैन दर्शन की व्याख्या करते हुए प्रेरक विचार साझा किए। जानकारी दी गई कि 11 मई 2026 को लोनावला में आचार्य भगवंत योगतिलक जी महाराज के सान्निध्य में उन्हें दीक्षा प्रदान की जाएगी।

तप में 225 से अधिक साधकों की सहभागिता

ऋषभदेव परिसर, चंडी मंदिर रोड में आयोजित आयंबिल तप की आराधना में 225 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। दिगंबर परंपरा के इस विशेष तप में साधक अत्यंत सादा एवं रसहीन भोजन ग्रहण कर आत्मशुद्धि और इंद्रिय संयम का अभ्यास करते हैं।

आयंबिल तप केवल आहार का नियम नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का श्रेष्ठ मार्ग माना जाता है। इसमें दिन में एक बार बिना नमक, मसाले, घी-तेल और मिठास के सादा भोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य इंद्रियों पर नियंत्रण, मन की शुद्धि और कर्मों की निजर्रा करना है। महोत्सव समिति के प्रचार-प्रसार प्रमुख नवीन संचेती ने बताया कि 27 मार्च को सुबह 6:30 बजे पद्मनाभपुर क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली जाएगी, जिसमें अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की गई है। इस प्रकार महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के तहत दुर्ग में धार्मिक आस्था, अनुशासन और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

दुर्ग ग्रामीण में कांग्रेस का मास्टर प्लान गांव-गांव तक पकड़ मजबूत करने 61 पदाधिकारियों को दी जिम्मेदारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) ने संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती देने की दिशा में बड़ा एवं अहम निर्णय लिया है। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने जिला कार्यकारिणी के 61 पदाधिकारियों को विभिन्न संगठनात्मक प्रभार सौंपते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करने का स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है। इस व्यापक पुर्नसंरचना के तहत 9 ब्लॉक, 39 मंडल एवं विभिन्न विभागों में जिम्मेदारियां तय की गई हैं, जिससे पार्टी की गतिविधियों को गांव-गांव और बूथ स्तर तक विस्तार देने की रणनीति बनाई गई है। खास बात यह है कि जिला स्तर के पदाधिकारियों को सीधे क्षेत्रीय प्रभार सौंपने की पहल पहली बार की गई है, जिसे संगठन में जवाबदेही और सक्रियता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने निर्देश दिए हैं कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित प्रवास करेंगे, पंचायत, वार्ड एवं बूथ कमेटियों के गठन को प्राथमिकता देंगे तथा एक सप्ताह के भीतर प्रारंभिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। वहीं चुनावी क्षेत्रों के प्रभारियों को साप्ताहिक रिपोर्ट जिला कार्यालय में जमा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता होते हैं और जब जिम्मेदारी स्पष्ट होती है, तो परिणाम भी प्रभावी होते हैं। लक्ष्य है कि कांग्रेस की नीतियां और जनहित के मुद्दे सीधे आम जनता तक पहुंचें।

महामंत्री राजीव गुप्ता को संगठन एवं प्रशासन का प्रभारी महामंत्री बनाया गया है, जबकि कोषाध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल को वित्तीय प्रबंधन के साथ समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ब्लॉक स्तर पर जिम्मेदारी

ब्लॉक स्तर पर हीरा वर्मा (कुम्हारी), प्रमोद राजपूत (भिलाई-3 चरोदा), राम सूयर्वंशी (जामगांव-आर), भुवन साहू (पाटन), जयश्री वर्मा (जामुल), पुरुषोत्तम तिवारी (अहिवारा ग्रामीण), प्रकाश ठाकुर (धमधा), दुर्गा गजभिये (दुर्ग ग्रामीण) एवं जामवंत गजपाल (अहिवारा नगर) को प्रभार दिया गया है।

मंडल व विभागीय विस्तार

अहिवारा, साजा, पाटन एवं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में मंडल स्तर तक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। साथ ही विभिन्न विभागों—चुनाव प्रबंधन, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, पंचायत राज, मीडिया एवं संचार सहित कई विभागों में पदाधिकारियों की नियुक्ति कर संगठन को धार देने का प्रयास किया गया है। मीडिया एवं संचार विभाग की जिम्मेदारी पालेश्वर ठाकुर को दी गई है, जो संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और मीडिया समन्वय को मजबूत करेंगे।

जवाबदेही आधारित नई व्यवस्था

नई व्यवस्था में पदाधिकारियों को सिर्फ पद नहीं, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य, क्षेत्र और जवाबदेही दी गई है। जिला कार्यालय स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग और समीक्षा की व्यवस्था भी बनाई गई है, जिससे संगठनात्मक कार्यों में निरंतरता और प्रभावशीलता बनी रहे।

मंत्री यादव ने दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज को दी 15 लाख रू. की डोम शेड निर्माण की स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दिल्लीवार कूर्मि समाज के पदाधिकारियों ने रामनवमी के शुभ अवसर पर गजेन्द्र यादव शिक्षा मंत्री छत्तीसगढ़ शासन से मुलाकात कर इस शुभ पर्व की बधाई दी एंव सौजन्य भेंट कर सामान्य चर्चा में सुभाष नगर दुर्ग स्थित दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय भवन के ऊपर शेड निर्माण की चर्चा की, जिस पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने शेड निर्माण हेतु 15 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की है तथा जल्द ही कूर्मि भवन सुभाष नगर दुर्ग शेड से सुसज्जीत होने का आश्वासन भी दिया है।

इसके पूर्व भी मंत्री जी का स्नेह व सहयोग लगातार समाज को प्राप्त होते रहा है। मंत्री गजेन्द्र यादव किसी भी समय समाज के साथ हमेशा खड़े रहते है, इस स्नेह व सहयोग के लिये दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज हमेशा माननीय जी का आभारी रहेगा। इस सौजन्य भेंट में समाज के प्रांतीय अध्यक्ष योगेन्द्र बेलचंदन, महामंत्री ललित देशमुख, कोषाध्यक्ष दिलीप देशमुख, वरिष्ट अधिवक्ता दीपेन्द्र देशमुख, सहायक मंत्री चुम्मन देशमुख व समस्त कायर्कारिणी उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों ने मंत्री यादव का आभार व्यक्त किया है। महामंत्री ललित देशमख ने बताया कि मंत्री गजेन्द्र यादव हमेशा ही दिल्लीवार कूर्मि क्षत्रिय समाज के साथ समाज के ही व्यक्ति के समान सहयोग हेतु तत्पर रहते है उनको उदारभाव हमेशा समाजहित व मार्गदर्शन समाज के दिशानिर्देशन हेतु रहता है। जिससे कि हमारा समाज हमेशा उनका आभारी रहेगा।

30 मार्च को दिव्यांगों के लिए उपकरण वितरण शिविर

भिलाई। भिलाई निगम में समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा 19 फरवरी 2026 को दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया था। भिलाई शहर के निवास कर रहे दिव्यांगों द्वारा उपकरण हेतु आवेदन किये है। उन सभी चिन्हांकित दिव्यांग हितग्राहियों को सहायक उपकरण प्रदाय किया जाना है। विशेष सहायक उपकरण वितरण शिविर मानस भवन दुर्ग में 30 मार्च 2026 को आयोजित किया गया है। उक्त शिविर में पूर्व में चिन्हांकित दिव्यांगजनों को आवश्यक उपकरण वितरित किये जायेगें, जिससे उन्हे दैनिक जीवन में सुविधा मिल सके। नगर पालिक निगम भिलाई प्रशासन द्वारा संबंधित क्षेत्र के सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर उपस्थित होने कहा गया है। इसके साथ ही निगम प्रशासन ने प्रचार-प्रसार एवं मुनादी के माध्यम से सूचना प्रसारित करने के निर्देश दिये है, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शिविर का लाभ लेने से वंचित न हो। सभी चिन्हित दिव्यांगजनों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर उपकरण प्राप्त करें।

कसारीडीह शीतला मंदिर में श्रद्धालुओं ने हवन पूजन में दी पूर्णाहुति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कसारीडीह सिविललाइन स्थित मां सतरूपा शीतला मंदिर में चैत्र नवरात्र का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महाअष्टमी पर गुरुवार को मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में जुटे। शाम को महाअष्टमी पर हवन पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन पूजन में पूर्णाहुति देकर मां शीतला से अपनी मनोकामना पूर्ण करने प्रार्थना की।

इस अवसर पर दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने हवन पूजन में शामिल होकर लोगों की सुख समृद्धि एवं खुशहाली के लिए मां शीतला से कामना की। हवन पूजन उपरांत माता स्वरूप 21 कन्याओं को कन्या भोज कराया गया। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। महाप्रसादी ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ प्राप्त किया। चैत्र नवरात्रि के अंतिम दिन 27 मार्च को मंदिर समिति द्वारा शाम 4 बजे जोत जवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी।

यह शोभायात्रा मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए शीतला तालाब पहुंचेगी। जहां जोत जावरा का विसर्जन किया जाएगा। महाष्टमी पर गुरुवार को सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिवसागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, सह-सचिव चंपा साहू, कायर्कारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास, संरक्षक भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, राजा सिंह राजपूत, राजेश साहू, दीनानाथ निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह चंदेल, नरेश कुटारे, ईश्वर अग्रवाल, भाजपा नेता विनोद चंद्राकर, पूर्व पार्षद कांता साहू, श्रीधर भजने, निशा ठाकुर, गणेश राम चौधरी, तोरण साहू, अरुण साहू के अलावा सतरुपा शीतला सेवा समिति के अन्य सदस्य व श्रद्धालु व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

सांसद विजय बघेल ने साहू समाज के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

असम प्रवास के दौरान दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने तिनसुकिया जिले के बावनबाड़ी स्थित श्री राजीव लोचन मंदिर परिसर में साहू समाज के प्रबुद्धजनों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ एक गरिमामय एवं आत्मीय बैठक की। इस दौरान सांसद बघेल ने समाज के वरिष्ठजनों से मुलाकात कर उनके अनुभवों और विचारों को गंभीरता से सुना एवं आत्मसात किया। बैठक में साहू समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

सांसद कार्यालय द्वारा साझा की गई जानकारी में बताया गया कि संवाद के दौरान समाज के समग्र उत्थान, युवाओं की सक्रिय भागीदारी, शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक समरसता को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर कई सार्थक सुझाव सामने आए। बैठक में माताओं, बहनों और कार्यकर्ताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने समाज की एकजुटता और सक्रियता को दर्शाया। इस अवसर पर तेज राम साहू, डॉ. आर.एन. साहू, डॉ. कांता साहू, रिपु दमन गजपाल, मधु गजपाल, भारती साहू, सरस्वती साहू, दीपक साहू, शंकर साहू, श्यामबती साहू, प्रहलाद साहू, हंतु तेली (सचिव, साहू समाज तिनसुकिया), तुलाराम तेली सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बैठक के समापन पर विजय बघेल ने साहू समाज द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं सार्थक संवाद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी समाज के साथ समन्वय स्थापित कर जनहित और क्षेत्रीय विकास के कार्यो को और अधिक गति दी जाएगी।

गैस एजेंसी में बाउंसरों ने की मारपीट, 3 पर कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

खुर्सीपार थाना क्षेत्र स्थित शताक्षी गैस एजेंसी में गैस सिलेंडर लेने पहुंचे ग्राहकों के साथ बाउंसरों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन बाउंसरों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 25 मार्च 2026 की है। दुर्गा मंदिर खुर्सीपार निवासी संतोष कुमार बैठा (32 वर्ष) गैस सिलेंडर लेने एजेंसी पहुंचे थे और लाइन में खड़े थे। इसी दौरान लाइन में लगने को लेकर विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते वाद-विवाद, धक्का-मुक्की और मारपीट में बदल गया। आरोप है कि एजेंसी में तैनात बाउंसरों ने ग्राहक के साथ दुर्व्यवहार किया।

शिकायत के आधार पर थाना खुर्सीपार पुलिस ने मामले की जांच कर तीन आरोपियों—हरिओम चौधरी (23 वर्ष, हाथखोज भिलाई), विकास सिंह (27 वर्ष, खुर्सीपार) और विक्की विश्वकर्मा (30 वर्ष, कैंप-01 छावनी)—के विरुद्ध धारा 170/126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। तीनों को अनुविभागीय दंडाधिकारी, छावनी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना का मुख्य कारण गैस एजेंसी में लाइन लगाने को लेकर उत्पन्न विवाद रहा। समय रहते पुलिस द्वारा हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही।

प्रदेश साहू संघ ने किया 'कन्या पूजन और भोज' का आयोजन; डॉ. नीरेंद्र और स्वाति की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में आज प्रदेश साहू संघ द्वारा टिकरापारा स्थित प्रदेश कार्यालय में अत्यंत भक्तिमय और भव्य वातावरण में 'कन्या पूजन एवं कन्या भोज' कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में नौ कन्याओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

भक्ति और श्रद्धा का संगम

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कन्याओं के चरण पखारकर की गई। डॉ. नीरेंद्र साहू प्रदेश अध्यक्ष, साहू संघ ने इस अवसर पर कहा कि, "नारी शक्ति का सम्मान ही हमारे समाज की असली पूंजी है। कन्याएं साक्षात मां दुर्गा का स्वरूप हैं और उनका पूजन कर हम न केवल अपनी परंपराओं का निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि समाज में बेटियों के महत्व का संदेश भी दे रहे हैं।

नेतृत्व और मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का कुशल नेतृत्व कर रहीं श्रीमती स्वाति साहू (राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ - अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा) ने कन्याओं को तिलक लगाकर और उपहार भेंट कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने

अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं।

कार्यक्रम में नौ कन्याओं का पारंपरिक विधि-विधान से पूजन और आरती किया गया। कन्याओं को भोज कराया गया। माता तुल्य कन्याओं को उपहार का भी वितरण किया गया। आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष साधना साहू, प्रदेश महामंत्री उधो साहू, न्याय प्रकोष्ठ अध्यक्ष रुपेश साहू, आई टी प्रकोष्ठ अध्यक्ष द्वारिका साहू, भिलाई से चंद्रभूषण साहू, किरण साहू, खुशी साहू, तृष्णा साहू, शिल्पा साहू, सुधा साहू, शशिलता साहू, ज्योति साहू, कामिनी साहू, खेमीन साहू, गायत्री साहू, यशोदा साहू, लीना साहू, धनेश्वरी साहू, महेंद्र साहू, सुरेश साहू सहित प्रदेश साहू संघ के समस्त पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ की सदस्य एवं समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खास खबर

मुख्यमंत्री साय से गोवा के मंत्री रमेश तावड़कर ने की सौजन्य मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जनजातीय कल्याण और खेल विकास को लेकर हुई सार्थक चर्चा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गोवा के खेल एवं युवा मामले तथा जनजातीय कल्याण मंत्री रमेश तावड़कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए श्री तावड़कर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह एवं जशपुर के स्थानीय उत्पाद भेंट किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री तावड़कर से जनजातीय कल्याण और खेलों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और राज्य में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि देश के प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिए गौरव का विषय है। यह आयोजन न केवल जनजातीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रमेश तावड़कर के नेतृत्व में गोवा सरकार का प्रतिनिधिमंडल खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में सहभागिता हेतु छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। यह प्रतिनिधिमंडल खेल आयोजन में भागीदारी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ मुक्तांगन, आदिवासी संग्रहालय सहित राज्य की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन भी करेगा।

डीजल पर एक्साइज ड्यूटी समाप्त, पेट्रोल पर 10 की कटौती—केंद्र सरकार के फैसले का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया स्वागत

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा डीजल को एक्साइज ड्यूटी से मुक्त करने और पेट्रोल पर 10 प्रति लीटर की कटौती करते हुए एक्साइज ड्यूटी को मात्र 3 प्रति लीटर करने के निर्णय का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे देश के 140 करोड़ नागरिकों को सीधी राहत पहुंचाने वाला ऐतिहासिक और जनहितकारी कदम बताया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस निर्णय से देश के प्रत्येक परिवार, किसान, श्रमिक और मध्यमवर्ग को व्यापक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट के इस दौर में भी केंद्र सरकार द्वारा आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ न बढ़ने देना एक बड़ी संवेदनशील पहल है, जो आमजन के जीवन को सीधे प्रभावित करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए छत्तीसगढ़ की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार लगातार जनहित को सवीच्च प्राथमिकता देते हुए निर्णय ले रही है। यह फैसला प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता, संवेदनशीलता और देशवासियों के प्रति समर्पण का सशक्त उदाहरण है।

रायपुर निगम क्षेत्र में लगातार जारी सीलबंदी की कार्यवाही, 2 बकायादारों ने तत्काल किया भुगतान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार एवं नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के राजस्व विभाग की टीम द्वारा बड़े बकायदारों पर लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई जारी रखते हुए सीलबंदी की कार्यवाही की गयी है।

सीलबंद कार्यवाही के दौरान स्थल पर ही नगर निगम रायपुर के सम्बंधित 2 बड़े बकायादारों द्वारा तत्काल 1073000 के बकाये की राशि का भुगतान कर दिया गया। अभियान के दौरान नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग के अन्य एक बकायादार शेख यशीन भनपुरी के सम्बंधित प्रतिष्ठान को 1338092 का बकाया होने और बकाया राशि अदा नहीं किये जाने के कारण तत्काल सीलबंदी की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की गयी है।

नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के निर्देशन में नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग की टीम द्वारा लगभग 20 बड़े बकायादारों, जिन पर नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग का कुल बकाया लगभग 1 करोड़ रूपये का है, उन सम्बंधित सभी बड़े बकायादारों के सम्बंधित प्रतिष्ठानों मे नियमानुसार प्रकिया के अंतर्गत अंतिम सूचना नोटिस अभियान चलाकर चस्पा करने की कार्रवाई की गयी है और सम्पूर्ण बकाया राशि तत्काल नगर निगम जोन 1 राजस्व विभाग को अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित सभी 20 बकायादारों को बकाया राजस्व वसूली नियमानुसार सख्तीपूर्वक करने हेतु उनके सम्बंधित बकायादार प्रतिष्ठानों को सीलबंद करने की कड़ी कार्रवाई करने की स्पष्ट चेतावनी दी गई।

नगर निगम जोन क्रमांक 1 राजस्व विभाग की सीलबंदी कार्यवाही में जोन 1 कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर की अगुवाई में कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक राजस्व अधिकारी मनीष मरकाम, राजस्व निरीक्षक आशीष शर्मा, संतोष साहू और सहायक राजस्व निरीक्षक अरविंद छेदइया की सम्बंधित स्थलों पर उपस्थिति थे।

एसएमएस के जरिए दी टैक्स जमा करने की अंतिम चेतावनी

सभी राजस्व कर्मचारियों की टीम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्रीमती स्वाती शुक्ला के मार्गनिर्देशन में और नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर नगर निगम जोन 7 जोन सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा के मार्गनिर्देशन में और नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन में क्रमशः नगर निगम जोन 6, जोन 7 एवं जोन 8 अंतर्गत सभी 7 -7 वार्डों के समस्त बकायादारों को मोबाइल पर फोन और मैसेज कर उन्हें नगर पालिक निगम रायपुर राजस्व विभाग को देय सम्पूर्ण बकाया राशि को तत्काल अदा करने नगर निगम के हित में लगातार अभियान चलाकर प्रेरित कर रही है और अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई नगर पालिक निगम अधिनियम अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार करने की स्पष्ट चेतावनी से भी उन्हें लगातार अवगत करवा रही हैं।

खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक, गैस आपूर्ति - प्राथमिकता के आधार पर होगा वितरण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव राजीव कुमार जायसवाल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के मंडल एलजी प्रमुख श्रीपाद बक्षी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के प्रादेशिक प्रबंधक दिलीप मीणा, हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक मंगेश डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रायपुर नगर निगम पहुंचा रही है वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन गाड़ियां

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगर पालिक निगम जोन-8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल द्वारा नगर निगम जोन -8 स्वास्थ्य विभाग को नगर निगम मुख्यालय स्वच्छ भारत मिशन और नगर निगम मुख्यालय स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर वार्डों में अनुबंधित एजेंसी रामकी कम्पनी के माध्यम से घरों में डोर टु डोर कचरा कलेक्शन कार्य करवाने प्राप्त 3 ईवी वाहनों को जोन-8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा एवं सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में वार्डों में कार्य करने रवाना किया।

नगर निगम जोन-8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल ने सभी नागरिकों से अपने घरों का कचरा प्रतिदिन सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने और रायपुर को स्वच्छ और सुन्दर शहर बनाने सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील नगर निगम जोन-8 स्वास्थ्य विभाग की ओर से की है।

कचरा संग्रहण प्रणाली में सुधार लाने उठाया महत्वपूर्ण कदम

नगर पालिक निगम द्वारा राजधानी शहर रायपुर की कचरा संग्रहण प्रणाली में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम उठाया गया। भारत सरकार ने ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियम 2026 (Solid Waste Management Rules 2026) को 28 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है और ये 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश में लागू होगे। इसमें अब प्रत्येक नागरिक, संस्थान को गीला, सूखा, सेनेटरी एवं स्पेशल केयर वेस्ट चार श्रेणियों में कचरा अलग करना (पृथक्करण) अनिवार्य है।

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा सभापति सूयर्कान्त राठौड़, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, मनोज वर्मा, अवतार भारती बागल भोलाराम साहू, अमर गिदवानी, नंदकिशोर साहू खेम कुमार सेन, श्रीमती संजना संतोष हियाल, श्रीमती सरिता आकाश दुबे, श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय व सूरज चंद्राकर सहित अन्य संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियो की उपस्थिति में कुल 11 इलेक्ट्रॉनिक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के समक्ष से वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य हेतु अनुबंचित्त एजेंसी रामकी कंपनी के नये वाहनों को रवाना किया गया।

पुलिस की वर्दी केवल एक परिधान नहीं, बल्कि विश्वास, कर्तव्य और त्याग का एक प्रतीक- मंत्री राजेश अग्रवाल

नव-नियुक्त युवा पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर प्रशिक्षण पूर्ण करने पर दी बधाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चंदखुरी स्थित राज्य पुलिस अकादमी में में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने नव-नियुक्त युवा पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर प्रशिक्षण पूर्ण करने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी केवल एक परिधान नहीं, बल्कि विश्वास, कर्तव्य और त्याग का प्रतीक है, जिसे धारण करने वाले प्रत्येक अधिकारी पर समाज की सुरक्षा और न्याय की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब एक सामान्य नागरिक निश्चिंत होकर सोता है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस निभाती है। जब अंधेरे में कोई भयभीत होता है, तो उसे उम्मीद भी पुलिस से ही होती है। ऐसे में पुलिस केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के विश्वास का आधार है ।उन्होंने आगे कहा कि आज 870 युवा प्रशिक्षु अधिकारी ऐसे मुकाम पर खड़े हैं, जहां से वे छत्तीसगढ़ की सुरक्षा, शांति और न्याय व्यवस्था की मजबूत रीढ़ बनने जा रहे हैं। यह केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे राज्य के विश्वास और अपेक्षाओं का प्रतीक है।

राज्य में बदलते सुरक्षा परिदृश्य का उल्लेख करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने पिछले वर्षों में नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौती पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। उन्होंने इसके लिए देश के नेतृत्व और सुरक्षा बलों के साहस व समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि अब चुनौतियां बदल चुकी हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध, महिला एवं बाल सुरक्षा तथा सोशल मीडिया के माध्यम से फैलती अफवाहें नई चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों को तकनीकी रूप से दक्ष और संवेदनशील बनना होगा।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि इस बैच में लगभग एक चौथाई बेटियों की भागीदारी प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने महिला अधिकारियों को समाज में सुरक्षा और सशक्तिकरण की नई पहचान बताया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की कि वे जनता के साथ संवेदनशीलता और सम्मान का व्यवहार करें तथा अपने कार्य में ईमानदारी और निष्पक्षता को सर्वोपरि रखें।उन्होंने यह भी कहा कि एक अच्छा पुलिस अधिकारी वही होता है, जो अपनी टीम को साथ लेकर चलता है और संकट की घड़ी में सबसे आगे खड़ा रहता है। साथ ही, जहां भी उनकी नियुक्ति हो, वहां की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए जनता के साथ विश्वास का रिश्ता बनाना चाहिए।

अपने संबोधन के अंत में मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डर पैदा मत कीजिए, विश्वास पैदा कीजिए। शक्ति का प्रदर्शन मत कीजिए, न्याय का संरक्षण कीजिए। वर्दी केवल तन पर नहीं, बल्कि अपने चरित्र और आत्मा में धारण कीजिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस दिन कोई नागरिक यह कहे कि पुलिस है, इसलिए मैं सुरक्षित हूं, उसी दिन एक पुलिस अधिकारी की वर्दी सार्थक होगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. पंकज शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी नव-नियुक्त अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें साहस, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संदेश दिया।

मंत्री राजवाड़े के प्रयासों से 30.41 करोड़ों की सड़क परियोजना को मिली स्वीकृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र में सड़क विकास को बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के बीरपुर (एनएच-43) से केवरा तक लगभग 18 किलोमीटर लंबाई की सड़क चौड़ीकरण एवं पुलिया निर्माण कार्य के लिए 3041.18 लाख रुपए (लगभग 30.41 करोड़ रुपए) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लोक निर्माण विभाग मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार उक्त सड़क निर्माण कार्य निर्धारित मापदंडों एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सड़क चौड़ीकरण, पुलिया निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, भूमि उपलब्धता, निविदा प्रक्रिया तथा समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इस सड़क परियोजना से

बीरपुर से केवरा तक आवागमन सुगम होगा और ग्रामीण क्षेत्रों को राष्ट्रीय राजमार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। स्थानीय व्यापार, परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान होगी । साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिलेगी।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सड़क सुविधाएं पहुंचाना है, ताकि विकास का लाभ हर व्यक्ति तक पहुंचे। भटगांव विधानसभा के समग्र विकास के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे।

संपादकीय

पापाराव के सरेंडर से नक्सलवाद और कमजोर हुआ

बस्तर में नक्सलवाद कभी विचारधारा के तौर पर बहुत मजबूत था,नक्सलियों के बड़े नेताओं के कारण। उनके नेतृत्व में नक्सलवाद गांव-गांव तक पहुंच गया था और गांव-गांव से उनको समर्थन भी मिला करता था। संगठन के छोटे नेता व सदस्य मारे जाते थे, पकड़े जाते थे तो बड़े नेता उनकी जगह नए लोग भर्ती कर लेते थे इस तरह विचारधारा व संगठन के तौर पर नक्सली बस्तर में लंबे समय तक मजबूत रहे और अपना सामानांतर शासन चलाते रहे। ज्यादातर बड़े नेताओं के मारे जाने या सरेंडर करने से नक्सली संगठन बहुत कमजोर हो गया है। पापाराव भी एक बड़ा नक्सली नेता था, उसके साथियों सहित सरेंडर से नक्सली संगठन अब बस्तर में और कमजोर हो गया है। बड़े नेताओं के मारे जाने या सरेंडर करने से जो बचे हुए नक्सली हैं, वह भी ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि वह कुछ कर सकें। बड़े नेताओं के मारे जाने व सरेंडर करने से वह भी डरे हुए हैं और हो सकता है कि वह भी मारे जाने के खौफ से आने वाले कुछ दिनों में सरेंडर कर दें।

गृहमंत्री अमित शाह ने अगस्त 2024 में जब यह लक्ष्य तय किया था कि मार्च-26 तक नक्सलियों का खात्मा कर दिया जाएगा तो बहुत सारे लोगो को इस बात पर यकीन नहीं था कि दो साल में ऐसा करना संभव है क्योंकि उनका अनुभव तो यही था कि सरकारे तो आती जाती है लेकिन बस्तर में नक्सली समस्या बनी रही है। अमित शाह ने योजना बनाकर काम किया और जिसे कभी असंभव माना जाता था, उसे संभव कर दिखाया और आज की स्थिति में शायद ही कोई ऐसा हो जो यह मानता हो कि नक्सलियों का सफाया संभव नहीं है। जनवरी 24 से अब तक 232 मुठभेड़ों में 499 नक्सली मारे गए हैं, 1923 गिरफ्तार किए गए हैं। 2756 ने सरेंडर किया है। 1200 से ज्यादा हथियार व आईईडी बरामद किए गए हैं। इस अवधि में बसव राजू समेत 14 शीर्ष नक्सली नेता मारे गए हैं।

एक समय था कि कोई यकीन नहीं करता था कि शीर्ष नक्सली मारे जा सकते हैं, उनको सरेंडर करने के लिए मजबूर किया जा सकता था लेकिन अमित शाह के नक्सलियों के खात्मे का लक्ष्य तय करने के साथ ही यह सब दो साल में संभव हुआ है। शीर्ष नेताओं के मारे जाने व सरेंडर से ही नक्सलियों की कमर टूटी है। नक्सली संगठन हर तरह से कमजोर हुआ है। एक साल के भीतर केंद्रीय क्षेत्रीय आयोग प्रमुख भूपति, केंद्रीय सैन्य प्रमुख देवजी, ओडिशा प्रभारी मल्लाजी रेड्डी, आंध्रप्रदेश प्रभारी दामोदर, सीसीएम रूपेश, गंगन्ना, सुजाता, ककराला सुनीता के बाद पापाराव जैसे माओवादी ने सरेंडर कर साबित किया है कि अब बस्तर के जंगल नक्सलियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रह गए हैं। इस जंगल में अब नक्सलवाद जिंदा नहीं रह सकता। अब स्थिति इतनी बदल गई है कि पहले बस्तर में पुलिस के जवान हो या गांवों के लोग उनमें खौफ रहता था कि वह कभी भी नक्सलियों के हाथों मारे जा सकते हैं लेकिन आज नक्सलियों में खौफ है कि वह कभी भी पुलिस व जवानों के हाथों मारे जा सकते हैं, इसलिए वह सरेंडर कर मुख्यधारा में शामिल होना ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

अमित शाह ने बस्तर में ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा कैंप स्थापित कर सुरक्षा बलों के जवानों में यह भरोसा पैदा किया वह नक्सलियों से लड़ सकते हैं और मार सकते हैं। एक बार यह भरोसा पैदा हुआ तो सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के ठिकानों में जाकर नक्सलियों से मुठभेड की और उनको घेर कर मारना शुरू किया। नक्सलियों को खोज-खोज कर मारना शुरू किया। पिछले तीन सालो में 150 से अधिक सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए तब जाकर अबुझमाड़,जगरगुंडा और पामेड़ जैसे इलाकों में सुरक्षा बलों ने अपनी मोजूदगी का एहसास नकसलियों को कराया और यह भी एहसास कराया कि तुम अब कुछ नहीं कर सकते और हम वह सब कर सकते हैं जो तुम पहले इन इलाकों में किया करते थे। यही वजह है कि आज बस्तर का 95 प्रतिशत इलाका सुरक्षित माना जाता है यानी इस क्षेत्र में नक्सली अब पहले की तरह कुछ भी नहीं कर सकते। बहुत कम संख्या में नक्सली अब पांच प्रतिशत दुर्गम इलाकों में सिमट कर रह गए है। उनको कह दिया गया है कि अब कुछ दिन सरेंडर को बचे हैं,वह सरेंडर कर दें। उम्मीद है कि वह अपने बड़े नेताओं से सबक लेकर सरेंडर का ही रास्ता चुनेंगे।

राज्य सरकार ने एक तरफ नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया तो दूसरी तरफ उनको सरेंडर करने पर उनका उचित पुर्नवास भी किया है। साय सरकार ने बार बार नक्सलियों से यही कहा है कि वह किसी पर गोली नहीं चलाना चाहते हैं, हम तो चाहते हैं कि सारे नक्सली सरेंडर कर मुख्यधारा में शामिल हो जाए तो हम उनका बेहतर पुर्नवास करना चाहते हैं। साय सरकार ने खाली बातें नहीं की जमीन पर पुनर्वास का अच्छा काम भी किया है। राज्य की पुर्नवास नीति के तहत बीते दो सालों में 552 सरेंडर करनेवाले नक्सलियों को नौकरी व रोजगार उपलब्ध कराया गया है ।इनमें से छह लोगों की सरकारी सेवा में नियुक्ति दी गई है। जबकि अन्य को स्वरोजगार से जोड़ते हुए कई कामों लगाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक एक जनवरी 2024 से 28 फरवरी 26 तक 2697 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। उनको रोजगार का प्रशिक्षण देकर इन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास सरकार कर रही है।

अमेरिका के लिए युद्ध क्यों बर्दाश्त से बाहर हो गया

अमेरिका के लिए युद्ध पिछले वीकेंड, दुनिया का इमोशनल टेम्परेचर कई डिग्री गिर गया। मार्केट, जो लंबे टकराव के लिए तैयार थे, उन्होंने राहत की सांस ली। तेल, जो संकट के लेवल पर था, पीछे हट गया। वॉशिंगटन के सुर में बदलाव साफ था : जिसे जल्द ही बढ़ने वाला बताया जा रहा था, उसकी जगह ठहराव और संभावनाओं की बातें होने लगीं। सवाल सिर्फ यह नहीं था कि बयानबाजी नरम क्यों पड़ी, बल्कि यह था कि सतह के नीचे ऐसा क्या था, जिसने इसे जारी रखना नामुमकिन बना दिया। इसका जवाब डिप्लोमेसी से ज़्यादा हिसाब-किताब में है।

आजकल की लड़ाई, खासकर वर जैसे देश के लिए, अब सिर्फ फायरपावर तक ही सीमित नहीं है। यह खर्चों के एक घने जाल से घिरा हुआ है - फिस्कल, पॉलिटिकल, इंडस्ट्रियल और सिस्टमिक - जो रियल टाइम में बढ़ते जाते हैं। एक छोटे, अहम ऑपरेशन की शुरुआती बात, लगभग तुरंत ही, एक ओपन-एंडेड फाइनेंशियल कमिटमेंट की असलियत में बदल गई। कुछ ही दिनों में, खर्च का रास्ता तेजी से ऊपर की ओर मुड़ने लगा, जिससे जो एक लिमिटेड लड़ाई के तौर पर बेचा जा रहा था, वह कुछ ऐसा बन गया जिसे सही ठहराना कहीं ज़्यादा मुश्किल था।

आजकल की अमेरिकी ताकत पर सबसे बड़ी रुकावट जंग छेड़ने की काबिलियत नहीं, बल्कि जंग के लिए जनता की मंजूरी है। जंग की मशीनरी को जल्दी से बनाया जा सकता है; इसे बनाए रखने के लिए लगातार पॉलिटिकल वैलिडेशन की जरूरत होती है। एक बँटी हुई लेजिस्लेचर में, बढ़ते खर्च सिर्फ.बजट पर ही दबाव नहीं डालते; वे एडमिनिस्ट्रेशन की लेजिटिमेसी को भी कम करते हैं। इसका बोझ सप्लीमेंटल एप्रोप्रिएशन, बहस वाली सुनवाई और पॉलिटिकल गठबंधनों के धीरे-धीरे कमजोर होने से मापा जाता है।

प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कांग्रेस उन्हें और पैसे दे, जबकि उन्होंने एक ऐसे जंग पर लगभग $18 बिलियन खर्च किए थे जो "कुछ दिनों" तक चलने वाला था। अमेरिकी लेजिस्लेचर और जनता ऐसा करने के मूड में नहीं लग रहे हैं। इस पॉलिटिकल सीलिंग के साथ-साथ एक इकोनॉमिक सीलिंग भी चल रही थी। 21वीं सदी में जंग मार्केट से अलग होकर नहीं होती; यह उनके जरिए फैलती है। एनर्जी के झटके बाहर की ओर फैलते हैं, महंगाई की उम्मीदों को बदलते हैं, फाइनेंशियल हालात को कड़ा करते हैं, और मॉनेटरी पॉलिसी के नाजुक कैलिब्रेशन को मुश्किल बनाते हैं। ऐसे माहौल में, झगड़ा कोई वजह नहीं रहता और एक बोझ बन जाता है—अनिश्चितता का एक ऐसा सोर्स जिसे सेंट्रल बैंकों को एडजस्ट करने के बजाय काउंटर करना चाहिए।

फारस की खाड़ी में हर रुकावट ग्लोबल प्राइसिंग सिस्टम में गूंजती है। टैंकरों का देर से आना या उनका रूट बदलना सिर्फ लॉजिस्टिक दिक्कतें नहीं हैं; वे कमी के सिग्नल हैं। ये सिग्नल सीधे कंज्यूमर प्राइस, कॉपीरेट मार्जिन और इन्वेस्टमेंट के फैसलों पर असर डालते हैं। यह अनिश्चितता जितनी ज़्यादा देर तक बनी रहती है, यह ग्लोबल इकॉनमी के स्ट्रक्चर में उतनी ही ज़्यादा घुस जाती है। अगर घरेलू और फाइनेंशियल दिक्कतें बढ़ रही थीं, तो इंटरनेशनल पहलू से कोई खास राहत नहीं मिली। सहयोगी देशों के जोश की कमी सिर्फ एक डिप्लोमैटिक शर्मिंदगी नहीं थी; यह एक स्ट्रेटेजिक लायबिलिटी थी। गठबंधन रिस्क बांटते हैं, लेकिन जब गठबंधन रिस्क या खर्च—मिलिट्री, इकॉनमिक और रेप्युटेशनल—शेयर करने से मना कर देते हैं, तो चीजें बिगड़ने लगती हैं। पार्टनर्स की शांत चिंता को एक्टिव पार्टिसिपेशन में बदलने में हिचकिचाहट ने यूनाइटेड स्टेट्स को एक ऐसा बोझ उठाने पर मजबूर कर दिया जिसे वह शेयर करना चाहता था, खासकर तब जब लगभग हर बड़ी ताकत ने होर्मुज स्ट्रेट में गश्त करने के लिए वॉरशिप भेजकर मदद करने से मना कर दिया। यह हिचकिचाहट एक बड़े बदलाव को दिखाती है।

कई देशों के लिए, यह लड़ाई कोई जरूरत नहीं थी, बल्कि एक रुकावट थी, जिससे बिना कोई साफ फायदा दिए लागत तो आई। भले ही इमरजेंसी के उपाय चुपचाप तैयार किए जा रहे थे, लेकिन सीधे तौर पर शामिल होने की हद पार करने में साफ हिचकिचाहट थी। नतीजा यह हुआ कि असल में कम और नाम का गठबंधन ज़्यादा था, यह याद दिलाता है कि पुराने पार्टनर के बीच भी तालमेल की उम्मीद नहीं की जा सकती। फिर भी, सबसे बड़ा प्रेशर पॉइंट तेल नहीं, बल्कि सिलिकॉन था। ग्लोबल इकॉनमी का आकिर्टेक्चर इस तरह से बदल गया है कि यह दूर के लगने वाले झगड़ों के लिए खास तौर पर कमजोर हो गया है।

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन, जो एक जगह जमा और उलझी हुई हैं, इनपुट और जगहों के एक छोटे से सेट पर निर्भर करती हैं। इनमें, एनर्जी डेरिवेटिव, जैसे नैचुरल गैस और हीलियम, जिन्हें अक्सर बाहरी चीजों की तरह माना जाता है, एक अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी सप्लाई में रुकावट से सिर्फ.लागत ही नहीं बढ़ती; बल्कि वे उन चिप्स के प्रोडक्शन के जारी रहने को भी खतरे में डालते हैं जो अब डिजिटल दुनिया को चलाती हैं। इस मायने में, युद्ध ने एक गहरी कमजोरी को सामने लाया है। ग्लोबलाइजेशन ने रुकावटों को खत्म नहीं किया है; इसने उन्हें और बेहतर बनाया है। एक इलाके में गड़बड़ी उन इंडस्ट्रीज में भी फैल सकती है, जो पहली नजर में अलग-अलग लगती हैं। एडवांस्ड चिप्स का प्रोडक्शन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का काम करना, और कंज्यूमर टेक्नोलॉजी मार्केट की स्टेबिलिटी, ये सभी, किसी न किसी तरह से, विवादित जगहों से रिसोर्स के बिना रुकावट आने से जुड़े हैं। नुकसान और भी बढ़ता है—एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर, एक बार खराब हो जाने पर, सीजफायर पर साइन होने के बाद भी वापस काम पर नहीं आता। सुविधाओं के नष्ट होने से एक टाइम लैग आता है जिसमें दुश्मनी कम होने पर भी सप्लाई कम रहती है।

प्रोग्रेस के बावजूद भारत का टीबी उन्मूलन लक्ष्य अभी भी क्यों मुश्किल बना हुआ है

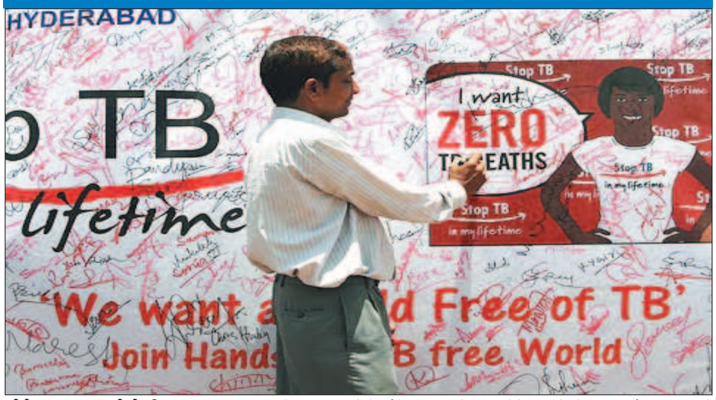

टीबी उन्मूलन लक्ष्य अभी भी मुश्किल बना हुआ भारत को इस साल टीबी-फ्री हो जाना चाहिए था, लेकिन आठ साल पहले तय की गई डेडलाइन पूरी नहीं कर पाया। हर साल 27 लाख से ज़्यादा नए केस रिपोर्ट होते हैं, जो दुनिया में सबसे ज़्यादा हैं। इससे भी ज़्यादा चिंता की बात यह है कि इस बैक्टीरियल बीमारी से तीन लाख लोगों की मौत हो जाती है, और जिन मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज हो चुका है, उनमें से लगभग 10% को दो साल के अंदर यह बीमारी दोबारा हो जाती है।

वर्ल्ड टीबी डे पर, इस बीमारी को खत्म करने के लिए बनी पब्लिक पॉलिसी के नतीजों का साफ-साफ आकलन करने की जरूरत है। टीबी के केस कम करने में काफी तरक्की करने के बावजूद, खासकर पिछले दस सालों में, भारत अभी भी अपने टारगेट से पीछे है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (हल्डड) की सालाना ग्लोबल टीबी रिपोर्ट एक गंभीर तस्वीर दिखाती है, जो बताती है कि टीबी के केस का इतना ज़्यादा बोझ कितनी बड़ी चुनौती है। देश में करीब एक लाख केस पता ही नहीं चल पाते, जिससे इंफेक्शन फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इस बैकग्राउंड में, 24 मार्च को वर्ल्ड टीबी डे के मौके पर टीबी के खिलाफ केंद्र का 100 दिन का कैंपेन सही दिशा में एक अच्छा कदम है। मुश्किल बीमारियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम चलाना जरूरी है, जिसमें ज़्यादा जोखिम वाले इलाकों पर ध्यान दिया जाए। अगले 100 दिनों में, हेल्थकेयर वर्कर 1.58 लाख गांवों में रहने वाले लोगों की स्क्रीनिंग करेंगे। वे ल्वक्श, डायबिटीज और ज़्यादा आबादी वाले इलाकों में रहने वाले लोगों जैसे कमजोर ग्रुप तक भी पहुंचेंगे। ळइ के खिलाफ लड़ाई में एक मुख्य मुद्दा मरीजों को न्यूट्रिशनल सपोर्ट देना है।

भारत में कम पोषण का सीधा संबंध गरीबी, खाने की कमी और ज़्यादातर अनाज वाली डाइट से है जिसमें प्रोटीन की कमी होती है। इस नई ड्राइव से चल रहे नेशनल प्रोग्राम में कमियों को पहचानने और बेहतर सपोर्ट सिस्टम, जिसमें बेहतर डायग्नोस्टिक्स, रेगुलर फॉलो-अप और बेहतर कम्युनिटी एंगेजमेंट शामिल हैं, के लिए नींव रखने में मदद मिलेगी। सरकार ळइ मरीजों के न्यूट्रिशन के लिए 1,000 रुपये की आर्थिक मदद पर सही जोर दे रही है। कैंपेन की सफलता के लिए समय पर पेमेंट पर जोर देना जरूरी है। अधिकारियों को उन रिपोर्टों पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए कि पेमेंट प्रोसेस करने में देरी की वजह से देश के कई हिस्सों में न्यूट्रिशनल सपोर्ट बेअसर हो गया है। भारत में लगभग 40% नए मामलों में कुपोषण का हाथ है, और लोगों के पोषण की स्थिति में सुधार से ळइ के मामलों को कम करने का एक दूसरा तरीका जरूर मिलेगा। हल्डड ने पिछले साल नई गाइडलाइंस जारी कीं, जिसमें गरीबी और कुपोषण वाली जगहों पर पोषण से जुड़े उपायों की सलाह दी गई थी। भारत के मामले में, पब्लिक सेक्टर की कमियों की वजह से, लगभग 80% ळइ मरीज अपनी जेब से ज़्यादा खर्च करके बिना किसी नियम के प्राइवेट डॉक्टरों से इलाज करवाते हैं। यह बड़ा अंतर भारत के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव और मरीजों पर पड़ने वाले असर को दिखाता है, जिनकी अच्छी देखभाल तक पहुँच अभी भी एक जैसी नहीं है। साथ ही, कमजोर हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर, खासकर ग्रामीण इलाकों में, और सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ डायग्नोसिस और इलाज तक पहुँच में रुकावट डालती हैं।

महाराष्ट्र पल्स-2026 की मेजबानी, जो दुनिया भर में हेल्थकेयर और मेडिकल इनोवेशन में अग्रणी

पल्स-2026 या प्लेटफॉर्म फॉर यूनिफाइड लर्निंग, स्किल्स, हेल्थ एंड एजुकेशन, एक इंटरनेशनल मेडिकल कॉन्फ्रेंस है। यह 27-28 मार्च को जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगा और यह महाराष्ट्र के हेल्थकेयर सेक्टर को आगे बढ़ाएगा। सरकार का मकसद है कि हर नागरिक को अच्छी, सस्ती और मॉडर्न हेल्थकेयर मिले। इस कॉन्फ्रेंस से मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलने और सर्विस बेहतर होने की उम्मीद है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। राज्य के मेडिकल एजुकेशन एंड ड्रग्स डिपाटर्मेंट द्वारा आयोजित, यह कॉन्फ्रेंस मेडिकल एजुकेशन, रिसर्च, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर मैनेजमेंट और मेडिकल टूरिज्म को एक साथ लाएगा। दुनिया भर से 2,900 से ज़्यादा एक्सपर्ट, जिनमें लगभग 130 डॉक्टर, रिसर्चर और स्कॉलर शामिल हैं, के हिस्सा लेने की उम्मीद है, और लगभग 20 सेशन प्लान किए गए हैं।

भारत और विदेश से हिस्सा लेने से नई टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड इलाज और इन्वेस्टमेंट लाने में मदद मिलेगी, जिससे मरीजों को फायदा होगा, डॉक्टरों के लिए मौके बनेंगे और स्टूडेंट्स को ग्लोबल स्टैंडर्ड और मॉडर्न इक्विपमेंट के साथ हैंड्स-ऑन एक्सपीरियंस मिलेगा। यह कॉन्फ्रेंस मेडिकल एजुकेशन और रिसर्च में सुधार लाएगी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल हेल्थ, रोबोटिक सर्जरी और टेलीमेडिसिन को करिकुलम में शामिल करने पर चर्चा होगी। डिजी होम और टेक टॉक जैसे सेगमेंट में रोबोटिक सर्जरी, वर्चुअल रियलिटी ट्रेनिंग और डिजिटल हॉस्पिटल मैनेजमेंट दिखाने वाले इमर्सिव 360-डिग्री प्रेजेंटेशन भी होंगे।

यह कॉन्फ्रेंस आयुष सेक्टर में आयुर्वेद और एलोपैथी के बीच तालमेल को बढ़ावा देकर एक इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर सिस्टम को बढ़ावा देगी। इसका मकसद महाराष्ट्र को मेडिकल वेलनेस टूरिज्म का हब बनाना भी है। इसके लिए हॉस्पिटल, वेलनेस सेंटर, रिसर्च इंस्टीट्यूशन और टूरिज्म सेक्टर के बीच तालमेल को मजबूत करना, एक मजबूत महाराष्ट्र ब्रांड बनाना और इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करना है, साथ ही बायोटेक्नोलॉजी, मेडिकल टेक्नोलॉजी और इक्विपमेंट जैसी इंडस्ट्री को सपोर्ट करना और रोजगार पैदा करना है।

यह टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ यूनिट, डिजिटल रिकॉर्ड और एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स के जरिए ग्रामीण हेल्थकेयर को मजबूत करने के सॉल्यूशन भी तलाशेगा, ताकि दूर-दराज के इलाकों में पहुंच पक्की हो सके। स्टार्ट-अप, रिसर्च इंस्टीट्यूशन, फार्मास्युटिकल कंपनियां, मेडिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियां और टेक्नोलॉजी फर्म इसमें हिस्सा लेंगी, इनोवेशन को इंडस्ट्री एप्लीकेशन से जोड़ेंगी और हेल्थकेयर सॉल्यूशन की पहुंच को तेज करेंगी। इस कॉन्फ्रेंस से दुनिया भर में जानकारी का लेन-देन होगा और असरदार हेल्थकेयर पॉलिसी बनाने में मदद मिलेगी।

मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत

हरिशंकर व्यास

बिहार से नीतीश कुमार की विदाई सिर्फ एक व्यक्ति की राजनीति का अंत नहीं है। न ही एक पार्टी की राजनीति के कमजोर होने का संकेत है। यह मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत है। एक एक करके वैसे भी मंडल की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक परिदृश्य से लुप्त हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और रामविलास पासवान का निधन हो गया है, जबकि लालू प्रसाद यादव चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। अब वे सक्रिय राजनीति करने में भी शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हैं। मंडल राजनीति की आखिरी बड़े नेता नीतीश कुमार हैं, जिनका रिटायरमेंट प्लान भाजपा ने तैयार कर दिया है। सोचें, जिस नीतीश कुमार ने जीवन भर मुख्यमंत्री बने रहने की राजनीति की और तमाम किस्म के गठबंधन बदल दिए उनको कहना पड़ा है कि वे एक बार राज्यसभा जाकर देखना चाहते थे। ध्यान रहे नीतीश ने कई बार सहयोगी बदले। गठबंधन की पाटिर्या बदलीं लेकिन मुख्यमंत्री बने रहे। करीब 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे राज्यसभा जा रहे हैं।

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना या मुख्यमंत्री पद छोड़ने अपने आप में मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम नहीं है। असली बात यह है कि उनके हाथ से बिहार की कमान निकल रही है। बिहार की राजनीति अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के हाथ में जा रही है। भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और बिहार की राजनीति लगभग पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो जाएगी। नीतीश की पार्टी रहेगी लेकिन वह भाजपा पर निर्भर होगी। दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद होगा, जिसके साथ कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन है। सो, मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम के साथ साथ कह सकते हैं कि बिहार में बहुध्रुवीय राजनीति अब ज्यादा केंद्रीकृत होगी। भाजपा के मजबूत होने और राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने से उसके साथ वाली बाकी पाटिर्यों की हैसियत कमजोर होगी, चाहे वह पार्टी चिराग पासवान की हो या उपेंद्र कुशवाहा की या जीतन राम मांझी की हो।

तह सकते है कि आखिर नरेंद्र मोदी की सरकार भी चारों तरफ आरक्षण बढ़ा रही है, अलग अलग क्षेत्रों में नए आरक्षण दे रही है, जाति जनगणना कराने जा रही है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली यूजीसी की नियमावली जारी करती है तो फिर कैसे यह राजनीति मंडल से अलग है? यह मंडल से इसलिए अलग है क्योंकि यह कांग्रेस और दूसरी प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति की प्रतिक्रिया है और दूसरे इसमें अंतर्निहित तत्व कमंडल यानी धर्म की राजनीति का है। भाजपा का मकसद किसी न किसी रूप में पैन इंडिया हिंदू यूनिटी बनाने की है। पूरे भारत में हिंदू एकता बनाने के लिए भाजपा को जहां जो दांव चलना होता है वह चलती है। कहीं ईडब्लुएस का आरक्षण देकर अगड़ी जातियों को खुश करती है तो कहीं यूजीसी की नियमावली से पिछड़ी जातियों को संदेश देती है। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है।

भाजपा बिहार में और पूरे देश में मंडल की राजनीति को कमंडल से रिप्लेस करना चाहती है। इसके लिए उसने धीरे धीरे मंडल और कमंडल को मिलाना शुरू कर दिया। मोदी ने यह माहौल बनाया कि कमंडल ही मंडल है। व्यापक हिंदू पहचान पर जोर दिया गया और यह स्थापित करने का प्रयास किया गया कि धर्मध्वजा उठाए हुए व्यक्ति की जाति क्या है यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह कोई भी हो सकता है। असम से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा ने बड़े राज्यों में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए हैं। लेकिन सोशल मीडिया में सवर्ण इकोसिस्टम के लोग आक्रामक तरीके से सरकार पर हमला कर रहे हैं और यूजीसी के नियमों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार को अगड़ा विरोधी बता रहे हैं। यह भी अंततः मोदी के लिए फायदे वाला ही साबित होगा। क्योंकि यूजीसी की नियमावली सिर्फ नैरेटिव बनाने के लिए लाई गई थी। सरकार का काम सवर्ण लोग सोशल मीडिया में कर रहे हैं। इसे लेकर नरेंद्र मोदी और धर्मेंद्र प्रधान पर जितना हमला हो रहा है, पिछड़ी और दलित जातियों का उतना ही ध्रुवीकरण उनके पक्ष में हो रहा है।

बहरहाल, जाति और खास कर पिछड़ी जातियों की गोलबंदी के साथ साथ मंडल की राजनीति का एक बुनियादी तत्व यह है कि उसके नेता सेकुलर प्रैक्टिस करते हैं। उनकी राजनीति में मुस्लिम को अलग थलग करने की प्रवृत्ति नहीं रहती है। बिहार में लालू प्रसाद की तरह ही नीतीश कुमार भी पिछड़ी जातियों को एकजुट करते रहे और साथ ही मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियों को, जिनको पसमांदा कहते हैं उन्हें भी जोड़ा। मंडल राजनीति का दूसरा तत्व यह है कि उसमें पिछड़ी जातियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों तरह से वर्चस्व होता है। तीसरी बात यह है कि उन्हें एकजुट करने के लिए धर्म की गोंद नहीं चाहिए, बल्कि सत्ता संरचना में हिस्सेदारी चाहिए। नीतीश की विदाई से बिहार में पिछड़ी जातियों के प्रत्यक्ष व परोक्ष वर्चस्व समाप्त होगा, सत्ता संरचना में हिस्सेदारी कम होगी और धर्म की गोंद का इस्तेमाल एकजुटता के लिए किया जाएगा। बिहार की 18 फीसदी मुस्लिम आबादी वैसे ही अलग थलग होगी, जैसे उत्तर प्रदेश में है। वहां घोषित रूप से 80 और 20 की लड़ाई का ऐलान किया जाता है।

सरकार के कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों में सुनिश्चित होगी चेम्बर की सहभागिता

प्रदेश महामंत्री से मिले स्किल डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन के अधिकारी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (NSDC) के सदस्यों का आगमन चेम्बर कार्यालय भिलाई में हुआ। इस अवसर पर युवाओं के कौशल विकास और रोजगार उपलब्ध कराने संबंधी विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह था कि प्रदेश के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

बैठक में चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने एनएसडीसी के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि कॉर्पोरेशन स्किल्ड युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु चेम्बर को सहयोग प्रदान करे। उन्होंने कहा कि चेम्बर आवश्यकता अनुरूप युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी मांग रखी कि कौशल विकास संबंधी कार्यक्रमों में चेम्बर की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि स्थानीय स्तर पर युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिल सकें।

श्री भसीन ने बैठक में यह भी कहा कि आज के समय में केवल प्रशिक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि यदि कौशल विकास कार्यक्रमों को उद्योगों की जरूरतों से जोड़ा जाए तो प्रशिक्षित युवाओं को तुरंत रोजगार मिल सकेगा। श्री भसीन ने स्पष्ट किया कि चेम्बर का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना ही नहीं है, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना भी है।

एनएसडीसी के सदस्यों ने चेम्बर की मांगों और सुझावों को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया। जिस पर कॉर्पोरेशन के सदस्यों ने आश्वासन दिया कि चेम्बर को इस कार्यक्रम से पूर्ण रूप से जोड़ा जाएगा और युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। कॉर्पोरेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में चेम्बर की सहभागिता से कार्यक्रम और अधिक प्रभावी होगा। इस अवसर पर एनएसडीसी के रिजनल हेड (ईस्ट) विक्रम दास एवं नया रायपुर से एनएसडीसी के अधिकारी वैभव अग्रवाल सहित उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जेपी गुप्ता, सुनील मिश्रा, विकास जायसवाल, निरंकार सिंह सहित चेम्बर के सदस्यगण उपस्थिति थे।

खास खबर

कवर्धा के पेण्ड्रीकला धान खरीदी केंद्र में 70 लाख का धान गायब, प्रभारी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जिले के पेण्ड्रीकला धान खरीदी केंद्र में सामने आया गबन अब केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि सुनियोजित हेराफेरी की कहानी बनकर उभरा है। रिकॉर्ड में बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए स्टॉक और जमीन पर कम पाए गए धान के बीच बड़ा अंतर सामने आने के बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। जांच के बाद खरीदी प्रभारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह कोई साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से किया गया आर्थिक अपराध था। पूरा मामला तब सामने आया जब खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया गया। कागजों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार बड़ी मात्रा में धान मौजूद होना चाहिए था, लेकिन भौतिक सत्यापन में हजारों क्विंटल धान कम पाया गया। इस अंतर ने जांच एजेंसियों को सतर्क किया और गहराई से पड़ताल शुरू हुई।

जांच में सामने आया कि खरीदी प्रभारी विवेक चंद्राकर ने तौल पत्रकों और रजिस्टर में कुटरचना कर धान की मात्रा अधिक दर्शाई। वास्तविक स्टॉक और दर्ज आंकड़ों के बीच अंतर को छिपाने के लिए रिकॉर्ड में लगातार हेरफेर किया गया। इसी हेराफेरी के चलते करीब 2272 क्विंटल धान का हिसाब नहीं मिला, जिसकी कीमत 70 लाख रुपये से अधिक आंकी गई।

जांच के दौरान संदेह की सुई सीधे खरीदी प्रभारी पर जाकर टिक गई। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि उसने धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान जानबूझकर रिकॉर्ड में गड़बड़ी की। सरकारी अमानत में खयानत और आर्थिक लाभ के उद्देश्य से किए गए इस कृत्य के चलते उसे आरोपी बनाया गया। साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच टीम ने दस्तावेजों का मिलान, गवाहों के बयान और भौतिक सत्यापन जैसे कई स्तरों पर काम किया। कागजों और जमीन के अंतर ने ही पूरे घोटाले की परतें खोल दीं। जांच में यह भी सामने आया कि यदि समय रहते निरीक्षण नहीं होता, तो यह हेराफेरी और बढ़ सकती थी।

नदी में तटबंध निर्माण से सुरक्षित होंगे घर-विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री ने 4 .08 करोड़ रूपए की लागत के सकरी नदी तटबंध निर्माण का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

सकरी नदी में कटाव को रोकने और ग्रामीणों को बाढ़ से सुरक्षा देने के उद्देश्य से ग्राम कोडार में 4.08 करोड़ रुपए की लागत से 250 मीटर लंबे तटबंध निर्माण कार्य का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना से ग्राम कोडार के नदी किनारे बसे मकान सुरक्षित होंगे, कटाव की समस्या पर नियंत्रण मिलेगा और ग्रामीणों को निस्तारी की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम रेगाखार पंचायत के आश्रित ग्राम कोडार में आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा-अचर्ना कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और नागरिकों की सुरक्षा को सवीच्च प्राथमिकता दे रही है। सकरी नदी के किनारे लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों को लंबे समय से परेशानी हो रही थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस तटबंध निर्माण की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि 250 मीटर लंबा यह तटबंध न केवल नदी के कटाव को रोकेगा, बल्कि बाढ़ के दौरान पानी के दबाव से होने वाले नुकसान को भी कम करेगा। इससे नदी किनारे बसे घर सुरक्षित रहेंगे और लोगों को बार-बार होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों के लिए निस्तारी की सुविधाएं भी बेहतर होंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि ग्राम में 142 आवास स्वीकृत किए गए हैं और सर्वे सूची में शामिल सभी पात्र हितग्राहियों को

आवास उपलब्ध कराया जा चुका है। सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके और गांवों का समग्र विकास हो सके।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी इस योजना को क्षेत्र के लिए उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे किसानों और आम ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों ने भी इस पहल पर खुशी जताते हुए शासन और उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। तटबंध निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद सकरी नदी के किनारे बसे ग्राम कोडार के लोगों को कटाव और बाढ़ की समस्या से काफी हद तक निजात मिलेगी, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, संतोष पटेल, विजय पटेल, वीरसिंह पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गिरौदपुरी मंदिर के पास ट्रांसफार्मर ब्लास्ट से आग लगी आग, 10 दुकानें जलकर राख

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

गिरौदपुरी मंदिर परिसर के पास 27 मार्च 2026 की सुबह एक ट्रांसफार्मर में अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और आसपास की करीब 10 दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। कपड़े, साड़ी और लकड़ी से बनी दुकानों में आग तेजी से फैलती गई, लेकिन सूचना मिलते ही गिरौदपुरी पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अश्वनी पडवार के नेतृत्व में पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग बुझाने की कारर्वाई तुरंत शुरू कर दी।

घटना इतनी तेजी से बढ़ रही थी कि फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही हालात बेकाबू हो सकते थे और आग मंदिर परिसर तक पहुंचने का खतरा बन गया था। ऐसे में पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए बाल्टियों और बतर्नों के सहारे आग पर काबू पाने की जंग शुरू की। स्थानीय निवासियों ने भी पूरा सहयोग दिया और मिलकर आग को फैलने से रोका गया।

बताया जा रहा है कि ट्रांसफार्मर पर एक बंदर के कूदने से डीओ उड़ने के कारण आग भड़की, जिसने देखते ही देखते आसपास की दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। पुलिस की तत्परता और मौके पर त्वरित निर्णय ने एक बड़े हादसे को टाल दिया। फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस ने मिलकर आग पर काबू पाया गया। इस आगजनी में दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है और पुलिस द्वारा नुकसान का पंचनामा तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो आग मंदिर परिसर तक पहुंच सकती थी, जिससे स्थिति और भयावह हो जाती।

खरीफ तैयारियों की समीक्षा खाद-बीज की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल के सचिव एवं सहकारिता सचिव सी.आर. प्रसन्ना खरीफ सीजन की तैयारियों, उर्वरक की निर्बाध आपूर्ति, बीज की उपलब्धता और बेमौसम बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की गई। कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए और किसानों को राहत और बीमा क्लेम का त्वरित रूप से दिलाने के निर्देश दिए गए।

सूरजपुर जिले के प्रभारी सचिव सी.आर. प्रसन्ना की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एस. जयवर्धन, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेन्द्र शर्मा, एस.डी.एम. अजय मोड़ियम, उपसंचालक कृषि सुश्री सम्पदा पैकरा सहित कृषि विभाग से सम्बद्ध विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव श्री प्रसन्ना बैठक में पूर्व वर्षो में उर्वरकों की मांग और आपूर्ति की जानकारी

संबंधित अधिकारियों से ली गई तथा वर्तमान खाद भंडारण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। प्रभारी सचिव ने आगामी खरीफ सीजन 2026-27 के लिए जिले में गुणवत्तायुक्त खाद एवं बीज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रासायनिक उर्वरक का पर्याप्त भंडारण किया जाए और रैक पॉइंट से आवंटित खाद का जिले में समय पर भंडारण सुनिश्चित हो।

कालाबाजारी और जमाखोरी पर कड़ा रुख

प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समितियों में भंडारण व्यवस्था की नियमित समीक्षा की जाए। खाद एवं बीज निरीक्षकों द्वारा बीज व खाद दुकानों तथा समितियों का नियमित भौतिक निरीक्षण किया जाए, ताकि कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी स्थिति पर पूर्णतः अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि खाद का वितरण नियमानुसार हो और केवल पात्र किसानों को ही खाद व बीज उपलब्ध कराया जाए, जिसके लिये उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से काययीजना बनाने और क्रियान्वयन की बात कही।

बाबा धाम धनोरा के ज्योत जवारा का विर्सजन में उमड़ा जन सैलाब

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में गुरुवार को शाम 4 बजे दरबार के लक्ष्मण बाबा और पंडित विनय द्विवेदी सहित ग्रामवासी और श्रद्धालुओं द्वारा हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न किया गया। श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में पूर्णाहुति डाल कर अपने घर-परिवार की सुख-शांति और मंगल कामना की प्रार्थना की। हवन के बाद खीर का प्रसाद वितरण किया गया जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। शुक्रवार शाम 4 बजे बाबा दरबार धनोरा से जोत जवारा विर्सजन गली भ्रमण के लिए रवाना हुई।

विर्सजन यात्रा के आगे-आगे गुलाब साहू और हेमंत साहू की मंडली माता सेवा भजन गाते हुए चल रहे थे साथ ही काला, लाल और सादा बैरंग और माताएं एक ही रंग की साड़ी पहने हुए सिर पर ज्योति कलश उठाए चल रहीं थी उनके साथ हाथों में केसरिया रंग का झंडा लेकर भक्त माता रानी की जयकारे लगाते हुए साथ साथ चल रहे थे। बाबा दरबार के इस जोत जवारा विसर्जन देखने आसपास के ग्रामीण व श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी। विर्सजन यात्रा बजरंग पारा बजार चौक मेन गली होते हुए शीतला पारा होते हुए सीधा शीतला तलाब पहुंचे। वहां बाबा दरबार के लक्ष्मण बाबा और नंद पंडा राजू यादव द्वारा खप्पर व जोत जंवारा का पूरे विधिविधान से पूजा अर्चना करके विसर्जन किया गया।

बाबा धाम धनोरा में कांग्रेस नेता प्रतिमा चन्दाकर का हुआ आगमन

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में चैत्र नवरात्रि पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है सुबह से ही भक्तों का जोत जवारा देखने के लिए तांता लगा रहता है षष्ठी के दिन बाबा दरबार में जोत जवारा देखने श्रीमती प्रतिमा चन्दाकर कांग्रेस नेता अपने कार्यकर्ताओं के साथ बाबा दरबार में आगमन हुआ एवं सेलेन्दरी पटेल सिवनी मोवा रायपुर वाले महिला मंडली का आगमन हुआ जोकी माता रानी की भजन सुना कर सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया कुलदीप साहू रागदीप के संचालक लक्की स्टूडियो सलौनी सिकोसा वाले अपने पुरे परिवार के साथ ज्योति दर्शन के लिए प्राथर्ना किया गया यह जानकारी दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा ने दी।

डॉ. सुरेश ठाकुर अंतरराष्ट्रीय सुफी गायक का हुआ सम्मान

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में रविवार रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक डॉ. सुरेश ठाकुर अंतरराष्ट्रीय सुफी भजन गायक बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में अपने मंडली के साथ भजन कीर्तन प्रस्तुति दी भजन सुनकर सभी भक्तों ने भाव विभोर हो गए। इस अवसर पर पावन धाम धनोरा के लक्ष्मण बाबा सहित अन्य भक्तों ने उनका सम्मान भी किया।

महिला मंडली ने भी गाया माता सेवा भजन

सोमवार को पंचमी के दिन शाम 7 बजे से जय मां शाकंभरी सेवा भजन मंडली सिवनी मोवा रायपुर वाले महिला मंडली ने बाबा धाम दरबार में अपने सेवा भजनों की प्रस्तुति दी। यहां प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि पर्व पर भक्तों द्वारा विभिन्न राज्यों सहित विदेशों से भी श्रद्धालुओं ने ज्योति प्रज्वलित किया जाता है। जैसे जापान, अमेरिका, श्रीलंका, नागपुर, महाराष्ट्र, चिचोला, पाथरी, श्रीनगर, जम्मू-काश्मीर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, रायपुर, बेमेतरा, बिलासपुर, छुरिया, मानपुर, अंबागढ़ चौकी व दुर्ग एवं आस पास ग्रामीण श्रद्धालुओं ने भी बाबा दरबार में ज्योति प्रज्वलित करवाए गए थे। नवरात्रि के पूरे नौ दिन तक पूरा गांव भक्ती भाव में डूबे हुए हैं।

इन लोगों का योगदान रहा सराहनीय

दरबार के विनोद साहू, गुलाब साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, रोमनाथ साहू, बबलू, गज्जू रायपुरीहा, जीवराखन ठेकेदार, बाबू लाल, दिनेश साहू, मारियल साहू, वासुदेव स्प्रे, पूर्व उपसरपंच कुंभकरण पटेल, मुनना गंधर्व, सुनील पेंटर, एम लाल देवांगन, कल्याण देवांगन, ललित साहू, रोशन साहू, डॉ. धनेशवर साहू, रोहित, झब्बू साहू, गुमान, टीकम साहू, सुंदर सपरे, चन्द्र कांत देवांगन, दिनेश

यादव, रामु यादव, ओमकार साहू, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, सुनीता साहू, मितानिन कौशिलया सेन, रुखमणि साहू, पावर्ती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, संगीता सपरे, उपसरपंच टिकेशवरी साहू, लक्ष्मी साहू, हितेश पटेल, नीरा साहू, मुंगा सपरे, गीता देवांगन, मंजू साहू, पुष्पा देवांगन, कु. पुजा साहू, कु. वेदू साहू, कु. नेहा साहू, कु. सुरुचि, छोटी, कु. डिंपल साहू, कु. विनना साहू आदि श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

क्या मोहित सूरी की अगली फिल्म में होंगे रणबीर कपूर? निर्देशक ने दिया जवाब

पिछले काफी दिनों से ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणबीर कपूर 'सैयारा' फेम निर्देशक मोहित सूरी की अगली फिल्म में नजर आएंगे। अब खुद मोहित सूरी ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि रणबीर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा होंगे या नहीं।

रणबीर के साथ काम करना चाहते हैं मोहित सूरी

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान मोहित सूरी ने रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान स्टार बताया। इसी दौरान मोहित ने ये भी स्पष्ट किया रणबीर कपूर उनकी अगली फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर मेरी अगली फिल्म में नहीं हैं मैं सचमुच उनके साथ काम करना चाहता हूं और मुझे उम्मीद है कि वह भी मेरे बारे में ऐसा ही सोचते हैं। मैं उनसे मिलने गया था और साथ में काम करने का इरादा रखता हूं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि हम पहले से ही एक फिल्म साथ में कर रहे हैं। रणबीर और मैं एक दूसरे को जानते हैं क्योंकि वह मेरे करियर की शुरुआत से ही मुझे फॉलो कर रहे हैं।

काश मेरी फिल्म के हीरो होते रणबीर

निर्देशक ने आगे रणबीर की तारीफ करते हुए कहा कि वह उन गिने-चुने अभिनेताओं में से एक हैं और इतने बड़े स्टार हैं, जो 'आवारापन' जैसी फिल्म की सराहना करते हैं। भले ही वह रिलीज के समय फ्लॉप हो गई थी। वह मुझे अक्सर कहते हैं कि यह मेरी बेहतरीन फिल्मों में से एक है। आमतौर पर अभिनेता आपसे आपकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के बारे में बात करते हैं और कहते हैं कि वही आपकी सबसे अच्छी फिल्म है। जबकि रणबीर मेरी एक फ्लॉप फिल्म के बारे में बात कर रहे हैं। रणबीर में वो सब खूबियां हैं जो मैं अपनी फिल्म के हीरो में चाहता हूं। उनमें वो गहराई और बारीकियां हैं जो मेरी तरह की फिल्मों के लिए जरूरी हैं। फिलहाल मेरी फिल्म में रणबीर कपूर नहीं हैं। काश होते।

रणबीर कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो उनकी पाइपलाइन में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' जैसी दो बड़े बजट की फिल्में हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। जबकि साई पल्लवी सीता, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे।

आसान नहीं था टीवी से बॉलीवुड का सफर

एक्टिंग इंडस्ट्री में हर कलाकार की जर्नी अलग होती है। कुछ लोग फिल्मों के जरिए पहला कदम रखते हैं तो कुछ टीवी से अपने करियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन एक प्लेटफॉर्म में पहचान बनाकर दूसरे प्लेटफॉर्म में पैर जमाना आसान नहीं होता। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों में कदम रखना चुनौती भरा अनुभव रहा है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी और धीरे-धीरे फिल्मों में पहचान बनाने लगी। उल्का गुप्ता ने इंटरव्यू में अपने करियर के अब तक के सफर को याद किया। उल्का गुप्ता ने कहा, ''टीवी से फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करना बिल्कुल भी आसान नहीं था। मैंने कई सालों तक छोटे पर्दे पर काम किया है और अभिनय की बारीकियां सीखी हैं, लेकिन जब फिल्मों में आने की बारी आई तो मुझे कई ऑडिशन्स से गुजरना पड़ा और खुद को साबित करना पड़ा। आज मैं जहां खड़ी हूं, वहां तक पहुंचने के पीछे कड़ी मेहनत है।''

बता दें कि उल्का गुप्ता ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय टीवी शो 'झांसी की रानी' से की थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन के किरदार 'मणिकर्णिका' की भूमिका निभाई थी। इस किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस शो को लेकर उन्होंने कहा, ''इस शो ने मेरे करियर को एक मजबूत नींव दी है और मेरी एक बेहतर कलाकार बनने में मदद की है।''

उन्होंने अपना फिल्मी सफर 'सिम्बा' से शुरू किया था, जिसमें उन्होंने एक्टर रणवीर सिंह की बहन का रोल निभाया था। 'केरल स्टोरी 2' फिल्म में उन्होंने 'सुरेखा' का किरदार निभाया। इसे लेकर उन्होंने कहा, ''फिल्में समाज का आईना होती हैं। समाज में जो कुछ भी घटित होता है, वही फिल्मों के जरिए दिखाया जाता है। फिल्में समाज की सच्चाई को सामने लाती हैं और कई बार समस्या का हल भी दिखाने की कोशिश करती हैं।''

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने शुरू की तुम्बाड 2 की शूटिंग

सोहम शाह के साथ आए नजर

सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई की एक खास जगह पर साथ देखा गया। दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए साथ आए है। यह एक हॉरर फिल्म है, जिसे लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। जानिए, फिल्म में नवाजुद्दीन किस तरह का किरदार करेंगे और कहां पर इसकी शूटिंग हो रही है।

मड आइलैंड में नजर आए नवाजुद्दीन और सोहम

सोमवार को नवाजुद्दीन सिद्दीकी, निर्माता और अभिनेता सोहम शाह को मुंबई के मड आइलैंड में देखा गया। इस दौरान अपने फिल्म क्रू के साथ दिखाई दिए। सोहम शाह, नवाजुद्दीन सिद्दीकी से बातचीत करते थे। यह दोनों फिल्म 'तुम्बाड 2' की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। बता दें कि 2018 में रिलीज हुई हॉरर, थ्रिलर फिल्म 'तुम्बाड़' का यह सीक्वल है।

'तुम्बाड 2' का दर्शक काफी वक्त से इंतजार कर रहे हैं। अब इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। नवाजुद्दीन के किरदार की जहां तक बात है तो उनके किरदार का नाम पांडुरंग होगा। फिल्म भी इमोशनल और साइकोलॉजिकल है। इसमें नवाज के किरदार में कई परतें होंगी। कहानी को लेकर भी मेकर्स का कहना है कि यह पिछली फिल्म से ज्यादा डरावनी होगी। 'तुम्बाड' की बात करें तो साल 2018 में रिलीज हुई इस डार्क फैंटेसी-हॉरर फिल्म में लालच के दुष्परिणामों को दिखाया गया था। फिल्म की कहानी 20वीं सदी की शुरुआत के एक छोटे से गांव तुम्बाड में सेट है। इसमें मुख्य भूमिका में विनायक राव और 'हस्तर' नाम का एक श्रापित देवता है। फिल्म काफी डरावनी थी और दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ मृणाल ठाकुर का होगा कैमियो

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। 'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी सान्या मल्होत्रा की 'सुंदर पूनम'

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक में क्या खास दिखा?

'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी ये फिल्म

फिल्म 'सुंदर पूनम' में सान्या मल्होत्रा के अलावा आदित्य रावल और विक्रम मल्होत्रा भी नजर आएंगे। फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। यह प्राइम वीडियो पर जल्द ही रिलीज होगी।

मेरे और श्रुति के बीच कोई खटास नहीं, अदिवी ने बताया कैसे 'डकैत' में मृणाल ने किया एक्ट्रेस को रिप्लेस?

अदिवी शेष की फिल्म 'डकैत' इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, फिल्म जितनी अपनी कहानी को लेकर सुर्खियों में है, उससे ज्यादा इसकी कास्टिंग में आए बदलाव को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। शुरुआत में इस फिल्म का हिस्सा रहीं श्रुति हासन बीच में ही बाहर हो गईं, जिसके बाद मृणाल ठाकुर की एंट्री हुई। अब इस पूरे मामले पर अदिवी शेष ने खुलकर बात की है।

श्रुति ने क्यों छोड़ी फिल्म

श्रुति हासन के फिल्म छोड़ने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो यह काम करने के तरीके का फर्क था। हर एक्टर का अपना वर्किंग स्टाइल होता है और कभी कभी वह आपस में मैच नहीं करता। अगर क्लैश हो जाए तो काम करने में मजा नहीं आता और उसका असर फिल्म के फाइनल आउटपुट पर भी दिख सकता है।'

श्रुति के पास तब कई बड़ी फिल्में थीं

वह आगे बताते हैं, 'मेरा शूटिंग स्टाइल थोड़ा स्लो है। मैं जल्दी जल्दी शूट नहीं करता, बल्कि समय लेकर काम करना पसंद करता हूं। वहीं श्रुति के पास उस वक्त बड़ी फिल्मों की डेट्स थीं, जिनमें रजनीकांत सर की फिल्म भी शामिल थी। ऐसे में उनके लिए हमारी फिल्म को उतना समय देना मुश्किल हो रहा था। मुझे लगा कि मैं उन्हें ज्यादा परेशानी में डाल रहा हूं और अगर मैं अपने वर्किंग पैटर्न में बदलाव करता तो फिल्म पर असर पड़ता। इसलिए हमने आपसी समझ से अलग होने का फैसला लिया। सब कुछ अच्छे नोट पर हुआ, कोई विवाद नहीं था। मैं उन्हें हमेशा बेस्ट विश करता हूं।'

एक्ट्रेस के जाने से डर नहीं लगता, काम पर भरोसा है

एक्ट्रेस के अचानक बाहर होने पर अदिवी शेष कहते हैं, 'मैं इस मामले में ज्यादा घबराता नहीं हूं। मेरे लिए फिल्म से ज्यादा अहम वह कला है जिसके पीछे हम काम कर रहे हैं। अगर हम ईमानदारी से मेहनत करें और अपने काम के साथ न्याय करें, तो बाकी चीजें अपने आप संभल जाती हैं।'

मृणाल ठाकुर की एंट्री पर अदिवी शेष बताते हैं, 'श्रुति के जाने के बाद हमने मृणाल को फिल्म सुनाई। सुबह 10 बजे हमने उन्हें पिच किया और दोपहर 1 बजे तक उन्होंने हाँ कह दी। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आमतौर पर जवाब आने में हफ्ते या महीने लग जाते हैं, लेकिन उन्होंने तुरंत दिल से कहा कि उन्हें फिल्म बहुत पसंद आई।' वह कहते हैं, 'मृणाल बहुत खूबसूरत, टैलेंटेड और बेहद डाउन टू अर्थ हैं। उनसे बात करना बहुत आसान है, वो बहुत स्वीट हैं। मैं कहूंगा कि फिल्म में वो इसकी सोल हैं, जबकि मैं गुस्सा और फ्यूरी वाला हिस्सा हूं।'

अनुराग कश्यप के साथ बेहतरीन रहा अनुभव

अनुराग कश्यप के साथ काम करने के अनुभव पर अदिवी शेष कहते हैं, 'हमें एक बहुत अच्छा एक्टर और शानदार क्राफ्ट्समैन मिला। साथ ही ऐसा लगा जैसे इंडिया के बेस्ट डायलॉग राइटर हमें बोनस में मिल गए। उनकी हिंदी बहुत अच्छी है और उन्होंने जिस सादगी के साथ काम किया, वो कमाल का था। जब हम स्क्रीन पर उन्हें देखते हैं तो वो काफी सख्त और रिबेल लगते हैं, लेकिन असल जिंदगी में वो बहुत ही सिंपल इंसान हैं। जब मैं पहली बार उनके घर गया और कहानी डिस्कस की, तो मैं सरप्राइज हो गया।'

उद्योग मंत्री ने कोलमैन की प्रतिमा का किया अनावरण, सड़क डिवाईडर प्लांटेशन जनसेवा में हुआ समर्पित

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने शुक्रवार को उद्योग मंत्री ने कोलमैन की प्रतिमा का अनावरण किया। सिविल लाईन में मिनी गार्डन का लोकार्पण भी किया गया। इसी प्रकार पुष्पलता उद्यान के सामने सड़क डिवाईडर प्लांटेशन जनसेवा में समर्पित हुआ। इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत उपस्थित थी।

उल्लेखनीय है कि नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर की व्यवस्थाओं का सुव्यवस्थित करने के साथ-साथ शहर का सौंदर्यीकरण कर इसे संजाने, संवारने की दिशा में नित नये आयाम स्थापित किये जा रहे हैं, एक ओर जहां शहर की स्वच्छता पर पूरा फोकस रखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर थीम आधारित पेंटिंग, चित्रकारी, लघु उद्यानिकी थीम आधारित रोड साईड प्लांटेशन पर कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में नगर निगम द्वारा दर्री बराज पुल के समीप कोलमैन की प्रतिमा स्थापित कराई गई है। इसी प्रकार निगम द्वारा सिविल लाईन में निगम आयुक्त के बंगले के समीप मिनी गार्डन बनाया गया है, जिसका लोकार्पण भी उद्योग मंत्री व महापौर के करकमलों से सम्पन्न हुआ। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर के रोड डिवाईडरों में मल्टीकलर फूलों के पौधे रोपित कर डिवाईडरों को मल्टीकलर फूलों से सजाने संवारने का कार्य भी हो रहा है, इस कड़ी में निगम द्वारा सुभाष चौक पुष्पलता उद्यान से कोसाबाड़ी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित रोड डिवाईडर में इमोजी थीम के अंडाकार गमलों में वोगनबेलिया तथा यूफारविया मल्टीकलर फूलों के पौधे लगाये गये हैं, इन्हें भी आज जनसेवा में समर्पित किया गया।

इस मौके पर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद अशोक चावलानी, अजय गोंड़, पंकज देवांगन, वैभव शर्मा, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, मनोज सिंह राजपूत, अनिल यादव, उद्यान अधीक्षक आनंद सिंह राठौर, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, अरूण मिश्रा आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारीगण व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

खास खबर

आज से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में 28 मार्च से खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। गांधी स्टेडियम में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देशभर के जनजातीय खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस प्रतियोगिता में जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, झारखंड, असम, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, गुजरात, ओडिशा, मिजोरम, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र सहित मेजबान छत्तीसगढ़ के कुल 144 पुरुष एवं महिला पहलवान भाग ले रहे हैं। यह आयोजन जनजातीय युवाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। चार दिवसीय यह प्रतियोगिता 28 मार्च से 31 मार्च तक आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के मुकाबले प्रतिदिन तीन चरणों में आयोजित होंगे— प्रथम चरण प्रातः 08 से 09 बजे तक, द्वितीय चरण प्रातः 11 से दोपहर 02 बजे तक तथा तृतीय चरण सायं 04 बजे से खेल समाप्ति तक।

इस आयोजन का सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स एवं प्रसार भारती के माध्यम से किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के दर्शक भी इस खेल महाकुंभ का आनंद ले सकेंगे। खेल विभाग द्वारा खिलाड़ियों के ठहरने, भोजन, चिकित्सा एवं सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। सरगुजा जिला इस आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है और अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति के साथ खिलाड़ियों के स्वागत को तत्पर है।

पुरुष हॉकी : मेजबान छत्तीसगढ़ सहित असम, झारखंड और ओडिशा रहे विजेता

रायपुर। पूल ए में खेले गए मैच में झारखंड ने आंध्रप्रदेश को 19-1 से पराजित किया। वहीं, पूल बी के मुकाबलों में असम ने गोवा को 7-3 और ओडिशा ने मध्य प्रदेश को 15-1 के अंतर से हराया। वहीं पूल ए के मैच में मेजबान छत्तीसगढ़ ने कर्नाटक को 7-1 से हराया। खेले गए सभी मैच रोमांचक रहे, जिनमें सभी टीमों ने अपना पूरा बेहतर प्रदर्शन किया। आज खेले गए सभी मुकाबलों में टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए पूरा दमखम दिखाया, जिससे दशर्कों को रोमांचक मैच देखने को मिले।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम जैतपुरी को दी 2.98 करोड़ रुपए के नवीन विद्युत उपकेंद्र की बड़ी सौगात

33/11 केवी उपकेन्द्र निर्माण की रखी गई आधारशिला, 12 गांव होंगे लाभान्वित

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

रामनवमी के शुभ अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम जैतपुरी में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी सौगात देते हुए 2 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 33/11 के.व्ही., 5 एम.वी.ए. क्षमता के नवीन विद्युत उपकेन्द्र का विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस उपकेन्द्र के स्थापित होने से जैतपुरी सहित आसपास के 12 गांवों के करीब 1 हजार 750 से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण, नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी। वर्षों से लो वोल्टेज, बार-बार बिजली बाधित होने और लंबी फीडर लाइन की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम जैतपुरी में 5 लाख 20 हजार रुपए के सीसी रोड निर्माण की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव और वनांचल क्षेत्रों के विकास पर भी पूरा ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि यह नया बिजली उपकेन्द्र बनने से क्षेत्र में बिजली की समस्या दूर होगी और विकास तेजी से बढ़ेगा। अब लोगों को लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद बिजली व्यवस्था स्थायी रूप से बेहतर हो जाएगी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि इस उपकेन्द्र में 5 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा तथा यहां से 3 अलग-अलग 11 केवी फीडर निकाले जाएंगे, जिससे आसपास के 12 गांव सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। इस व्यवस्था से क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या दूर होगी, जिससे किसानों को विशेष रूप से राहत मिलेगी और कृषि कार्य के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण सदस्य भगत पटेल, नितेश अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, लोकचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विकास को मिलेगी नई दिशा

विकासखंड कवर्धा के ग्राम जैतपुरी में नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण कार्य प्रारंभ होने से क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी और क्षेत्रवासियों के लिए सुविधाओं का विस्तार करेगी। ग्राम जैतपुरी में लगभग 2 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से उपकेन्द्र का निर्माण किया जाएगा। इसमें 5 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की क्षमता बढ़ेगी।

ग्राम जैतपुरी में स्थापित होने वाला यह नया विद्युत सबस्टेशन क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को मजबूत करेगा। इसके माध्यम से जैतपुरी, सिंघनपुरी, लालपुर, तारो, खैरबना, धनडबरा, बटालियन, मंडलाकोना, हाथीडोब सहित कुल 12 गांवों को सीधा लाभ मिलेगा, जहां लंबे समय से लो वोल्टेज और अनियमित बिजली की समस्या बनी हुई थी। इस उपकेन्द्र से उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा और क्षेत्र में नियमित, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

1750 से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगी बिजली

नए सब स्टेशन के निर्माण से लगभग 1750 से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। वतर्मान में 8 गांवों की बिजली आपूर्ति जोरताल सबस्टेशन से संचालित 11 केवी खैरबना फीडर के माध्यम से होती है। खैरबना फीडर की लंबाई लगभग 40 किलोमीटर है, जिस पर पीक सीजन में 120 एम्पियर तक लोड रहता है। इसके कारण अंतिम छोर के गांवों में लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है, जिससे विशेषकर कृषि पंप उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही, लंबी लाइन होने के कारण बार-बार फाल्ट और बिजली बाधित होने की समस्या भी सामने आती है। इस समस्या से अब निजात मिलेगा और गांव के लोगों को राहत मिलेगी।

जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य स्तरीय हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर (अटल नगर) में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्य की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय अंतविर्भागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय सचिव भुवनेश यादव ने की। बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की उप महानिदेशक श्रीमती पी. संगीता, संयुक्त महारजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं जनगणना निदेशक, छत्तीसगढ़ कार्तिकेय गोयल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सचिव भुवनेश यादव ने निर्देशित किया कि राज्य में प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सटीक एवं अद्यतन आंकड़े उपलब्ध हो सकें। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जन्म एवं मृत्यु पंजीयन की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

बैठक में पंजीयन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समीक्षा के दौरान वर्ष 2025 में जन्म पंजीयन का सकल पंजीयन दर 108.4 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 71.7 प्रतिशत तथा मृत्यु पंजीयन का सकल दर 102.6 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 92.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। कम प्रगति वाले जिलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी शासकीय एवं निजी संस्थानों में जन्म एवं मृत्यु का 21 दिनों के भीतर अनिवार्य पंजीयन सुनिश्चित करने तथा अस्पताल से डिस्चार्ज से पूर्व जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही, 27 जनवरी 2026 से लागू छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु पंजीकरण नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, उफर-डफक्क पोर्टल पर एकीकृत पंजीयन तथा प्रथम प्रमाण पत्र 7 दिवस के भीतर निःशुल्क प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विलंबित पंजीयन के लिए निर्धारित शुल्क, API आधारित डेटा साझाकरण, ठकउ क्लाउड पर सुरक्षित डेटा भंडारण, जन्म प्रमाण पत्र के साथ आधार संख्या जनरेशन के समन्वय तथा वर्ष 2015 से 2022 तक के अभिलेखों के डेटा माइग्रेशन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त फर्जी पंजीयन की रोकथाम, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण, विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने एवं डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

परियोजना निर्माण व क्रियान्वयन समिति की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की 70वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत तमनार बायपास मार्ग और नवीन चिकित्सा महाविद्यालय कुनकुरी एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई।

परियोजना निर्माण एवं क्रियान्वयन समिति की बैठक में जिला रायगढ़ के तमनार में बायपास मार्ग निर्माण वास्तविक लम्बाई 8.50 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए व्यापक चर्चा की गई। इसकी अनुमानिक लागत 152 करोड़ 49 लाख है। इसी तरह से जिला जशपुर के अंतर्गत नवीन चिकित्सा महाविद्यालय कुनकुरी के लिए अनुमानिक लागत 349 करोड़ रूपए के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। चर्चा उपरांत प्रस्तावों पारित किए गए। बैठक में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय व संबद्ध चिकित्सालय सिम्स बिलासपुर के नवीन भवन निर्माण के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी श्रीमती शहला निगार, सचिव लोक निर्माण डॉ. कमलप्रीत सिंह, सचिव ऊर्जा डॉ. रोहित यादव, विशेष सचिव वित्त एवं संचालक बजट चंदन कुमार, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा रितेश कुमार अग्रवाल सहित लोक निर्माण विभाग, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, आवास एवं पर्यावरण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, योजना एवं सांख्यिकी विभाग सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

स्वयं से पहले आप के मूल मंत्र को अपनाना होगा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की 21वीं बैठक का यहां कृषि महाविद्यालय रायपुर में आयोजन किया गया, जिसमें समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं युवा सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।कुलपति डॉ गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक की शुरुआत अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा द्वारा स्वयं से पहले आप के प्रेरणादायक संदेश के साथ की गई।

उन्होंने स्वच्छता को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने पर जोर दिया। इसके पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य समन्वयक डॉ. नीता बाजपेयी ने रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है और इसके प्रति जन-जागरूकता आवश्यक है। डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता को जन-अभियान के रूप में संचालित करने का सुझाव देते हुए विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया।

बैठक में "Green Army NGO" के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की सफाई, वृक्षारोपण तथा नशा मुक्ति जैसे कार्यों पर विशेष चर्चा की गई। जल संरक्षण के संदर्भ में यह चिंता व्यक्त की गई कि बढ़ते प्रदूषण के कारण जल स्रोत प्रभावित हो रहे हैं तथा लगभग 30% पेयजल व्यर्थ हो रहा है। इस पर समाधानात्मक पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करने तथा प्लास्टिक बोतलों के प्रयोग को कम करने का संकल्प भी लिया गया। डॉ. रत्ना नशीने ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अबूझमाड़ में पीस मैराथन, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, वीड मैनेजमेंट, टीकाकरण कार्यक्रम एवं मिलेट्स मिशन जैसी गतिविधियों का उल्लेख किया। प्रशिक्षण एवं उपलब्धियों के अंतर्गत विद्यार्थियों को PTI प्रशिक्षण एवं राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए तैयार करने पर भी चर्चा हुई, जिससे उनका समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. आशुतोष ने कार्यशालाओं एवं बैठकों को ज्ञान और जागरूकता का महत्वपूर्ण माध्यम बताया, वहीं साक्षी सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से पिछले चार वर्षों में हुए कार्यों की सराहना करते हुए पर्यावरण क्षेत्र में और अधिक प्रयासों की आवश्यकता जताई। अंत में डॉ. सुबुही निषाद ने रक्तदान एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने पर जोर दिया, विशेषकर महिलाओं, युवाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को जागरूक करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार के सभी सदस्यों ने स्वयं से पहले आप के मूल मंत्र को अपनाते हुए समाज सेवा के प्रति निरंतर समर्पित रहने का संकल्प लिया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 : वेटलिफ्टिंग में 71 किग्रा वर्ग में सिल्वन बेह्लोथाटलो का स्वर्णिम प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय मैदान में सीनियर पुरुष वेटलिफ्टिंग (71 किलोग्राम भार वर्ग) प्रतियोगिता बेहद रोमांचक रही। देशभर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दशर्कों में रोमांच भर दिया।

प्रतियोगिता में मिजोरम के सिल्वन बेह्लोथाटलो ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों में उत्कृष्ट संतुलन बनाते हुए कुल 281 किलोग्राम वजन उठाकर पहला स्थान हासिल किया।

वहीं, कर्नाटक के मंजूनाथ मराठी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 270 किलोग्राम के कुल वजन के साथ रजत पदक जीता।

उन्होंने कड़े मुकाबले में अपनी मजबूत तकनीक का प्रदर्शन किया।

अरुणाचल प्रदेश के तायर रोनिक ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 255 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। झारखंड के हर्षित बागे, असम के मानस ज्योति मेच और केरल के श्रीकुट्टनकुट्टन सहित कई प्रतिभागियों ने भी अपनी दमदारी दिखाई और कड़ी प्रतिस्पर्धा पेश की।

देश में पहली बार आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स न केवल आदिवासी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की खेल संस्कृति को भी एक मंच पर ला रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिल रहा है।

केरल की एथलेटिक्स टीम पहुंची जगदलपुर, हुआ भव्य स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर

आदिवासी खिलाड़ियों को समर्पित इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन गया है, जो भारत की खेल यात्रा में आदिवासी सशक्तिकरण और जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स की प्रतियोगिताओं का आयोजन 30 मार्च से 2 अप्रैल तक किया जाएगा।

खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स के अंतर्गत बस्तर जिले में आयोजित होने वाली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए केरल राज्य की टीम आज जगदलपुर पहुंची। रेलवे स्टेशन पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत किया गया। बस्तर के हृदय स्थल जगदलपुर में आगामी 30 मार्च से 2अप्रैल तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय नेशनल ट्राइबल गेम्स का उत्साह अब धरातल पर दिखने लगा है। इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ में अपनी चुनौती पेश करने के लिए देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों का आगमन शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में केरल राज्य से 17 सदस्यीय एक दल किरंदुल पैसेंजर के माध्यम से जगदलपुर रेलवे स्टेशन पहुँचा।

इस अवसर पर स्थानीय नर्तक दल ने पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत कर मेहमान खिलाड़ियों का अभिनंदन किया, जिससे बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। गौर नृत्य समूह के नतर्कों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में ढोल की थाप और ऊर्जावान नृत्य से ऐसा समां बांधा कि लंबी दूरी तय कर आए खिलाड़ी अपनी थकान भूल गए।

खेल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, 30 मार्च से शुरू होने वाले इस आयोजन के लिए प्रशासन ने विभिन्न राज्यों से आने वाले खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। इस आयोजन के माध्यम से न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच मिलेगा।

खाद्य विभाग का फरमान : घरेलू गैस की होगी डेली मॉनिटरिंग, पर कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत और ब्लैक मार्केटिंग पर चुप्पी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में घरेलू एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय ने कमर कस ली है। हाल ही में जारी एक आधिकारिक पत्र में सभी जिला कलेक्टरों को गैस कंपनियों और एजेंसियों पर कड़ा नियंत्रण रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, विभाग की इस सक्रियता के बीच निजी कंपनियों द्वारा की जा रही ब्लैक मार्केटिंग और कमर्शियल (19 KG) सिलेंडरों की भारी किल्लत पर प्रशासन का मौन चर्चा का विषय बना हुआ है।

हर दिन देनी होगी रिपोर्ट

संचालक द्वारा जारी पत्र (GENS-2302/17/2025) के तहत जिला स्तर पर गैस वितरण की नई रणनीति लागू की गई है।

दैनिक समीक्षा: कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि वे गैस एजेंसियों और ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रतिदिन की आवश्यकता और आपूर्ति की समीक्षा करें।

स्टॉक पर नजर: एजेंसियों में होने वाली दैनिक आवक, उपलब्ध स्टॉक और बुकिंग की निगरानी हर दिन की जाएगी।

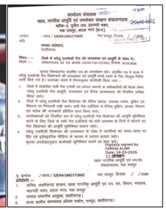

अवकाश में भी राहत: उपभोक्ताओं को परेशानी न हो, इसके लिए छुट्टियों के दिन भी गैस एजेंसियों को खोलने के निर्देश दिए गए हैं।

धरातल की हकीकत: सरकारी दावों और आपूर्ति में बड़ा अंतर-एक ओर सरकार 20%, 40% से लेकर 70% तक की बड़ी घोषणाओं और कड़े नियंत्रण का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी गैस कंपनियों के डीलरों की हालत खस्ता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरकारी डीलरों को 19 केजी (कमर्शियल) सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। मांग और आपूर्ति के इसी अंतर का फायदा उठाकर निजी कंपनियों द्वारा ब्लैक मार्केटिंग किए जाने की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिस पर जारी सरकारी आदेश में कोई स्पष्ट उल्लेख या कार्रवाई का जिक्र नहीं है।

मीडिया के जरिए पारदर्शिता की कोशिश

शासन ने आम नागरिकों को गुमराह होने से बचाने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से समय-समय पर गैस की उपलब्धता की जानकारी साझा करने को कहा है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक निजी कंपनियों के मनमानेपन और कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत को दूर नहीं किया जाता, तब तक केवल 'डेली मॉनिटरिंग' से आम जनता और छोटे व्यापारियों को राहत मिलना मुश्किल है।

दुर्ग में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना को मिल रहा उत्साहजनक प्रतिसाद

31 मार्च तक सभी पात्र उपभोक्ताओं को जोड़ने का लक्ष्य

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दुर्ग नगर संभाग में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता रवि कुमार दानी ने बताया कि नगर संभाग दुर्ग के अंतर्गत आने वाले बोरसी, बघेरा, दुर्ग शहर और जवाहर नगर जोन में 13 मार्च 2026 से निरंतर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मोबाइल वैन और माइक के माध्यम से पात्र उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, जिसका क्षेत्र में काफी सकारात्मक प्रतिसाद देखने को मिल रहा है।

योजना के तहत अब तक की प्रगति उत्साहजनक है। आज दिनांक तक संभाग के सभी 84 पात्र बीपीएल उपभोक्ताओं और 07 पात्र कृषि उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया है। आंकड़ों के अनुसार, बीपीएल श्रेणी में 06 उपभोक्ताओं ने 2200 रुपए, कृषि श्रेणी में 05 उपभोक्ताओं ने 20103 रुपए और एपीएल श्रेणी के 180 पात्र उपभोक्ताओं में से 86 के पंजीयन के साथ 24 उपभोक्ताओं ने 24,800 रुपए की राशि जमा कर दी है। विभाग का मुख्य फोकस अब शेष एपीएल उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने पर है।

श्री दानी ने बताया कि योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए विभागीय टीम और मीटर रीडर घर-घर जाकर पात्र उपभोक्ताओं से सीधा संपर्क कर रहे हैं। इस कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और उपभोक्ताओं को योजना में शामिल करने हेतु प्रेरित करने वाले मीटर रीडरों के लिए प्रोत्साहन राशि का भी प्रावधान किया गया है। दुर्ग नगर संभाग ने आगामी 31 मार्च 2026 तक संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी पात्र उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस छूट का लाभ उठा सकें। विभाग ने अपील किया है कि जो उपभोक्ता अब तक इस योजना से नहीं जुड़ पाये हैं, वे तत्काल नजदीकी शिविर या जोन कार्यालय में जाकर या मोर बिजली एप के माध्यम से अपना पंजीयन कराएं और योजना का लाभ उठाएं

दुर्ग अधिवक्ता संघ चुनाव : कोई नाम वापसी नहीं, 64 प्रत्याशी मैदान में हैं कायम

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग के चुनाव में इस बार मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। 27 मार्च को नामांकन वापसी की अंतिम तिथि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रत्याशी ने अपना नाम वापस नहीं लिया, जिससे अब सभी 17 पदों पर कुल 64 प्रत्याशी चुनाव मैदान में बने हुए हैं।

अध्यक्ष पद पर कांटे की टक्कर : अध्यक्ष पद के लिए 8 उम्मीदवार आमने-सामने हैं, जिनमें मधुप शर्मा, रमेश कुमार शर्मा, संगीता सिंह, उमा भारती साहू, गिरीशचंद्र शर्मा, गुलाब सिंह पटेल, नीता जैन और देवेंद्र कुमार गुप्ता शामिल हैं।

हर पद पर बहुकोणीय मुकाबला : वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, सह सचिव समेत सभी पदों पर एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में हैं, जिससे चुनाव पूरी तरह बहुकोणीय और रोमांचक हो गया है।

4 अप्रैल को मतदान : चुनाव का मतदान 4 अप्रैल 2026, शनिवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक अधिवक्ता कक्ष क्रमांक-04 के पीछे स्थित मैदान में होगा।

मतदाताओं के लिए निर्देश : मतदाताओं को मतदान के समय अपना अधिवक्ता परिचय पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। चुनाव में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के बने रहने से अधिवक्ता संघ की सियासत गरमा गई है और परिणाम को लेकर कयासों का दौर तेज हो गया है।

डॉ. रमन सिंह से कृष्णा तिवारी ने लिया आशीर्वाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पूर्व मुख्यमंत्री व छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के रायपुर शंकर नगर निवास में राजनांदगांव ग्रामीण मंडल एवं क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर भाजपा नेता कृष्णा तिवारी ने मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। रायपुर शंकरनगर निवास में पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जी से सौजन्य भेंट कर ग्रामीण मंडल एवं क्षेत्र के विकास कार्यों के विषय मे सार्थक चर्चा हुई। कृष्णा तिवारी ने ग्राम सोमनी के मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी वास्तविक स्थिति से पूर्व विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को अवगत कराया।

शिक्षामंत्री गजेन्द्र ने किया अंगना म शिक्षा देने वाली माताओं का सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला शिक्षा विभाग दुर्ग के तत्वाधान में आयोजित अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल होकर मातृ शक्तियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किये।

जिला स्तरीय माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान उन माताओं का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया, जो घर के आंगन से ही अपने बच्चों को संस्कार, अनुशासन एवं सही-गलत की समझ देकर उनके बौद्धिक एवं नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की माँ ही बच्चे की प्रथम गुरु होती है, और उनके द्वारा दिए गए संस्कार ही एक शिक्षित, जागरूक एवं सशक्त समाज की मजबूत नींव रखते हैं।

अंगना म शिक्षा जैसे कार्यक्रम न केवल शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि माताओं की भूमिका को भी सशक्त बनाते हैं, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। चैत्र नवरात्रि के नवमी तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मातृ शक्तियों को सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की गई तथा उन्हें बच्चों की शिक्षा में निरंतर सहयोग देने हेतु प्रेरित किया गया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने यह भी कहा कि यदि परिवार और विद्यालय दोनों मिलकर बच्चों के विकास में योगदान दें, तो निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी अधिक सशक्त, आत्मनिर्भर और संस्कारित बनेगी। उन्होंने माताओं से आह्वान किया कि वे बच्चों को नियमित रूप से पढ़ाई के लिए प्रेरित करें, डिजिटल युग में सही मार्गदर्शन दें तथा उनमें अच्छे संस्कारों का मार्गदर्शन करें। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार कर रही है, ताकि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे और कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। अंगना म शिक्षा जैसे कार्यक्रम समाज और शासन के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू, पार्षद लीलाधर पाल, श्रीमती सविता चंद्राकर, जिला भाजपा महिला अध्यक्ष श्रीमती तृप्ति चंद्राकर, जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कमर्चारीगण उपस्थित रहे।

छग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के अविनाश बने प्रदेश अध्यक्ष, अनिल ने सम्हाली प्रदेश महासचिव की कमान

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

अर्बन मेरिज पैलेस रुपजीवन हॉस्पिटल के सामने लोहारा रोड कवर्धा में संपन्न छग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ की द्वि वार्षिक सामान्य सभा के दौरान कवर्धा के जुझारू पत्रकार अविनाश ठाकुर को प्रदेश अध्यक्ष तथा प्रदेश महासचिव के पद पर गंडई के अनिल अग्रवाल को निर्वाचित घोषित किया गया। ये घोषणा निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र वाटाने ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में की।

इस दौरान जिला पंचायत, जनपद पंचायत और बीजेपी संगठन के कई वरिष्ठ नेता भी मंच पर मौजूद थे। अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकारों की सुरक्षा सरकार की प्रमुखता में शामिल है। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के संदर्भ में उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी से मिलकर चर्चा करेंगे। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष अविनाश ठाकुर और प्रदेश महासचिव अनिल अग्रवाल को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह दोनों पत्रकार अपनी पत्रकारिता के साथ समय समय पर सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी बखूबी करना जानते हैं।

प्रदेश अध्यक्ष अविनाश ठाकुर और प्रदेश महासचिव अनिल अग्रवाल के साथ फिलहाल 10 लोगों को कार्य समिति में शामिल किया गया है जिनमें मनोज गोस्वामी, विजय लांडगे, टी सूर्या राव, इजहार अहमद, विजय तिवारी, श्याम भोजवानी, निशा मसीह, पूणिर्मा शुक्ला, अखिलेश जायसवाल और हरि ओम श्रीवास को शामिल किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष अविनाश ठाकुर ने कहा है कि जल्द की कार्यसमिति का विस्तार किया जाएगा। सामान्य सभा के दौरान बीजापुर, जगदलपुर, कोंडागांव, नारायणपुर, कांकेर अंबिकापुर, मनेंद्रगढ़, कोरिया बलरामपुर, सूरजपुर, बिलासपुर, रायगढ़ और दुर्ग जिले से सैकड़ो की संख्या में पत्रकार शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा से पत्रकारों द्वारा मांग की गई कि टोल नाकों पर लगने वाले टैक्स से पत्रकारों को राहत दिलाने के लिए शासन स्तर पर पहल करें, पत्रकारों के इलाज के लिए गठित पत्रकार कल्याण कोष की राशि 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए की जाए। जिस पर उन्होंने कहा कि वह पत्रकारों के कल्याण से संबंधित जो भी मांगे हैं, उनको मुख्यमंत्री के सामने रखकर हल कराने का प्रयास करेंगे।

कार्यक्रम के अंत में प्रदेश के दूर दराज क्षेत्रों से आए प्रदेश पदाधिकारियों, संभागीय पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। पत्रकार सम्मेलन एवं सामान्य सभा में बस्तर से राजेश प्रसाद, विदोष चंदेल, सुनील मसकीले, चारामा ब्लॉक अध्यक्ष संतोष ओझा, सुमन कार्तिक, अनिल सेठिया, सरगुजा से राजेश राज गुप्ता, खगेंद्र यादव, राजकुमार केसरवानी, राजेश प्रसाद, इमरान, अशोक, बिलासपुर मस्तूरी से विजय सुमन, रघु यादव, हरिओम श्रीवास, धर्मजयगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष सजल मधु, बेमेतरा से दिनेश दुबे, पप्पू रवानी, ममता ग्वालवंशी, आनंद साहू, योगेश राजपूत, सुरेंद्र भीवर, खिलेश घृतलहरे, अरुण सोनी, अनीश मेमन, अमित पाटले, भरत चतुर्वेदी, कवर्धा से दीपक ठाकुर, शैलेन्द्र उपाध्याय, चंद्रशेखर शर्मा, महेश मिश्रा, अजय यादव, सतीश पात्रे, संजीव पांडे सहित सैकड़ों पत्रकार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बी डी निजामी ने और आभार प्रदर्शन श्याम भोजवानी ने किया।

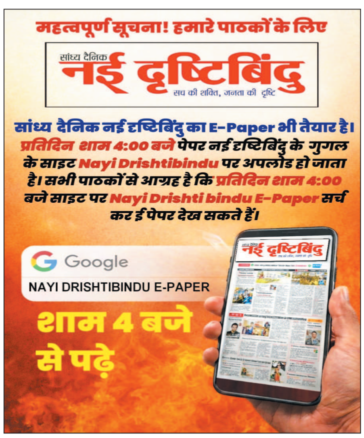

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंदु स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।